पटना ● बुधवार, 21 अगस्त 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः221 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

विश्व मच्छर दिवस पर सदर ... 3 www. bordernewsmirror.com पहले मैं बहुत घमंडी हुआ... 8

झारखंड में 'स्पेशल 28' से बीजेपी करेगी 'खेला'

● चंपाई सोरेन प्रकरण के बाद हेमंत सोरेन पर होगा 'मिशन आदिवासी' अटैक ● 28 सीटों पर आदिवासी नेताओं को ही प्रत्याशी बनाने की तैयारी में बीजेपी

दुमका (एजेंसी)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चांपई सोरेन के बगावती सुर अपनाने की मुश्किल से अभी सीएम हेमंत सोरेन ठीक से उबर भी नहीं सके हैं कि बीजेपी उनके लिए नई मुश्किल खड़ी करने में जुट गई है। इसी साल होने वाले झारखंड विधानसभा चुनाव को देखते हुए राज्य की आदिवासी बाहुल्य विधानसभा सीटों को लेकर बीजेपी ने खास तैयारी की है। बीजेपी झारखंड की 28 आदिवासी बाहुल्य सीटों पर जीत सुनिश्चित करने के लिए अभी से तैयारी में जुट गई है। माना जा रहा है कि चांपई सोरेन को जेएमएम से अलग करने के पीछे का मकसद भी इसी कड़ी का हिस्सा रहा है। हालांकि चांपई सोरेन को लेकर बीजेपी ने अभी कोई कंक्रीट बात सामने नहीं रखी है। बीजेपी के रणनीतिकारों ने झारखंड 28 आदिवासी बाहुल्य सीटों में करीब आधे पर

जीत दर्ज करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। बीजेपी संताल परगना और कोल्हान प्रमंडल की सीटों को लेकर विशेष तैयारी कर रही है। चुनावी तैयारियों को लेकर बीजेपी के चुनाव प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी, विधानसभा चुनाव के प्रभारी और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, सह प्रभारी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा लगातार पार्टी के आदिवासी नेताओं से बातचीत कर रहे हैं। बीजेपी के सूत्रों ने बताया कि शिवराज सिंह चौहान, हिमंत बिस्वा सरमा, लक्ष्मीकांत वाजपेयी सरीखे नेता झारखंड बीजेपी के तमाम आदिवासी नेताओं से संपर्क में हैं। इस संवाद के जरिए बीजेपी यह समझने की कोशिश में कि आदिवासी वोटरों का मूड क्या है। उनकी डिमांड क्या है। वह अपने इलाके के किन नेताओं को तवज्जो दे रहे हैं। साथ ही यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आदिवासी वोटर अपने बीच बीजेपी के किन नेताओं को देखना और सुनना चाहते हैं। इन तमाम बातों की रिपोर्ट जोर शोर से तैयार किए जा रहे हैं। झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी की प्लानिंग का हिस्सा है कि वह आदिवासी बाहुल्य सीटों पर सबसे पहले कैंडीडेट घोषित कर दें। पार्टी का मानना है कि पहले कैंडीडेट की घोषणा होने से वोटरों को अपना मन बनाने का पर्याप्त वक्त मिलेगा। इसके अलावा बीजेपी इस प्रयास में भी है कि आदिवासी बाहुल्य सीटों के लिए इसी समाज से आने वाले स्थानीय नेताओं को प्रत्याशी बनाया जाए। कई प्रत्याशियों के नाम सामने आने लगे हैं।

इजरायल के खिलाफ ईरान अब कर रहा है माइंड गेम

इजरायल पर हमला ना करने के पीछे खास रणनीति

दिमाग से खेल रहे अयातुल्ला खुमैनी, इजरायल परेशान

तेहरान (एजेंसी)। ईरान की राजधानी तेहरान में 31 जुलाई को हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्या के बाद से पश्चिम एशिया में युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं। तमाम विशेषज्ञों ने हानिया की मौत के बाद ईरान की ओर से इजरायल पर हमले की भविष्यवाणी की थी। हालांकि बीते 20 दिन में हमले की भविष्यवाणियां सच साबित नहीं हुई हैं। भले ही हानिया की मौत के बाद से अब तक शांति है लेकिन मनोवैज्ञानिक स्तर पर दोनों देशों, खासतौर से इजरायल के नागरिकों के लिए बीते तीन हफ्ते काफी कष्टकारी रहे हैं। ईरान लगातार हानिया की हत्या के लिए इजराइल से बदला लेने की कसम खा रहा है, जिससे टेंशन बरकरार है। इसे ईरान के माइंड गेम की तरह देखा जा रहा है। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के मुताबिक, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के डिप्टी कमांडर अली फदावी ने सोमवार को कहा कि ईरान के डर से इजरायल में हंगामा है।

ठाणे में बच्चियों से स्कूल में यौन-शोषण पुलिस पर पथराव

भीड़ ने स्कूल में तोड़फोड़ की, ट्रेनें रोकीं, आरोपी गिरफ्तार, सरकार ने एसआईटी बनाई

मुंबई (एजेंसी)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर के बीच ठाणे के बदलापुर में दो बच्चियों से स्कूल में यौन-शोषण का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी सामने आने के बाद गुस्साई भीड़ और पुलिस के बीच मंगलवार को झड़प हुई। भीड़ ने पहले स्कूल में तोड़फोड़ की उसके बाद बदलापुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेनें रोकीं। पुलिस ने भीड़ को रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे, जिसके बाद लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। घटना में कई लोग घायल हुए हैं। 23 साल के

आरोपी ने 16 अगस्त को स्कूल के बाथरूम में बच्चियों के साथ यौन-शोषण किया था। बच्चियों के पेरेंट्स ने एक दिन बाद एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी अक्षय शिंदे को पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। इलाके की महिला इंस्पेक्टर शुभदा शितोले का ट्रांसफर कर दिया गया है। स्कूल प्रिंसिपल, क्लास टीचर और एक महिला कर्मचारी को निलंबित किया गया है। मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की है। केस फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाने को कहा गया है। मंगलवार सुबह 8 बजे घटना से गुस्साए लोग बदलापुर रेलवे स्टेशन की पटरियों पर खड़े होकर प्रदर्शन करने लगे।

यूपीएससी में लेटरल एंट्री से नियुक्ति का आदेश रद्द

मंत्री बोले- विज्ञापन रद्द करें, चेयरमैन को लिखी चिट्ठी

आरक्षण पर भारी विवाद के बाद मोदी सरकार हटी पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीएससी ने 17 अगस्त को लेटरल एंट्री भर्ती के लिए 45 पोस्ट पर वैकेंसी निकाली थी। इसे अब रद्द कर दिया गया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने यूपीएससी चेयरमैन को नोटिफिकेशन रद्द करने को कहा। पीएम मोदी के कहने पर यह फैसला बदला गया है। इस वैकेंसी का राहुल गांधी ने भी विरोध किया था। राहुल ने कहा था- लेटरल एंट्री के जरिए खुलेआम एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग का हक छीना जा रहा है।

मोदी सरकार आरएसएस वालों की लोकसेवकों में भर्ती कर रही है। राहुल गांधी को जवाब देते हुए कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को लेटरल एंट्री के जरिए ही 1976 में फाइनेंस सेक्रेटरी, मोंटेक सिंह अहलूवालिया को योजना आयोग का उपाध्यक्ष और सोनिया गांधी को नेशनल एडवाइजरी काउंसिल चीफ बनाया गया। कांग्रेस ने लेटरल एंट्री की शुरुआत की

थी। अब पीएम मोदी ने यूपीएससी को नियम बनाने का अधिकार देकर लेटरल एंट्री सिस्टम को व्यवस्थित बनाया है। पहले की सरकारों में लेटरल एंट्री फॉर्मल सिस्टम नहीं था। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का मानना है कि सार्वजनिक नौकरियों में सामाजिक न्याय सरकार के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता होनी चाहिए। इस आरक्षण का उद्देश्य इतिहास में हुए अन्याय का उन्मूलन और समाज में समावेश और समरसता को बढ़ावा देना है। मंत्री ने यह भी कहा कि लेटरल एंट्री वाले पदों को विशेषज्ञता वाला माना जाता है।

सुसाइड बताने की कोशिश, शव तक नहीं देखने दिया

● कोलकाता रेप मर्डर कांड पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनाया सख्त रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज की डॉक्टर के रेप और जघन्य हत्याकांड पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान शीर्ष अदालत ने बंगाल सरकार और अस्पताल प्रशासन पर तीखी टिप्पणी की। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने इस दौरान डॉक्टरों से अपील की कि वे धरना प्रदर्शन बंद करें और काम पर लौटें। अदालत ने कहा कि आपकी सुरक्षा तय करने के लिए हम हैं और आपको काम पर लौट जाना चाहिए। कोर्ट ने इस दौरान पीड़िता की तस्वीरें और नाम का पब्लिक में खुलासा होने पर हैरानी जताई और कहा कि हम इससे बहुत चिंतित हैं। उच्चतम न्यायालय ने दुष्कर्म-हत्या मामले में एफआईर दर्ज करने में देरी को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार को फटकार लगाई और पूछा कि अस्पताल के प्राधिकारी क्या कर रहे थे। चीफ जस्टिस की बेंच ने कहा कि जब आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल के प्राचार्य का आचरण जांच के घेरे में है तो उन्हें कैसे तुरंत किसी दूसरे कॉलेज में नियुक्त कर दिया गया। ऐसा लगता है कि अपराध का पता सुबह-सुबह ही चल गया था लेकिन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने इसे आत्महत्या बताने की कोशिश की। कोर्ट ने कहा कि ज्यादातर युवा चिकित्सक 36

घंटे काम करते हैं, हमें काम करने की सुरक्षित स्थितियां सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय प्रोटोकॉल बनाने की जरूरत है। इसके साथ ही अदालत ने एक टास्ट फोर्स का गठन कर दिया है, जो महीने में फाइनल रिपोर्ट देगी। अब अदालत ने केस की अगली सुनवाई के लिए 22 अगस्त की तारीख तय की है। बेंच ने सीबीआई को आदेश दिया है कि वह गुरुवार को उसे स्टेटस रिपोर्ट सौंपे। एजेंसी बताए कि अब तक इस मामले में उसकी जांच कहां तक पहुंची है।

सुप्रीम कोर्ट ने बना दी नेशनल टास्क फोर्स

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ दरिंदगी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वत : संज्ञान लेते हुए सुनवाई की और पश्चिम बंगाल सरकार की जमकर खिंचाई की। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से 22 अगस्त तक टास्क स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए 10

सदस्यों की नेशनल टास्क फोर्स गठित कर दी है। इसमें मेडिकल मेंबर्स को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा अतिरिक्त अधिकारियों के रूप में कैबिनेट सचिव सहित केंद्र सरकार के अधिकारी भी शामिल होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए ऐक्शन प्लान भी तैयार कर दिया है। इसके अलावा टास्क फोर्स में सरकार की तरफ से अतिरिक्त सदस्यों में कैबिनेट सेक्रेटरी, गृह सचिव, स्वास्थ्य सचिव, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के अध्यक्ष और नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनर्स के अध्यक्ष को शामिल किया गया है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि अस्पतालों में नर्सों और महिला डॉक्टरों के लिए अलग से रेस्टरूम तक भी मौजूद नहीं हैं।

ब्लड सैंपल बदलने वाले 2 आरोपी अरेस्ट, पुलिस ने अब तक 9 लोगों को गिरफ्तार किया

पुणे (एजेंसी)। पुणे पोर्श एक्सीडेंट केस में पुणे क्राइम ब्रांच ने सोमवार की रात 2 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार के अनुसार, दोनों ने घटना के दिन कार में मौजूद नाबालिग आरोपी के दोस्तों का ब्लड सैंपल बदलवाया था। दोनों आरोपियों की मंगलवार को कोर्ट में पेशी भी हुई। पुणे के कल्याणी नगर इलाके में 18 मई की रात 17 साल 8 महीने के एक लड़के ने आईटी सेक्टर में काम करने वाले बाइक सवार युवक-युवती को टक्कर मारी थी, जिससे दोनों की

मौत हो गई थी। घटना के समय आरोपी नशे में था। वह 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से कार चला रहा था। पुणे पुलिस के अनुसार, अब तक मामले में 9 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुणे पुलिस ने 25 जुलाई में 7 लोगों के खिलाफ आपराधिक षड्यंत्र रचने, सबूत मिटाने और ब्लड सैंपल बदलने के आरोप में केस दर्ज किया था। इनमें नाबालिग के माता-पिता, ससून जनरल अस्पताल के दो डॉक्टर, एक कर्मचारी और दो बिचौलिए शामिल हैं।

अजमेर रेप कांड के 6 दोषियों को आजीवन कारावास

● 32 साल बाद मिला न्याय, 5-5 लाख का लगाया जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सबसे बड़े सेक्स स्कैंडल और राजस्थान के अजमेर के ब्लैकमेल कांड के बाकी बचे 7 में से 6 आरोपियों (नफीस चिश्ती, नसीम उर्फ टार्जन, सलीम चिश्ती, इकबाल भाटी, सोहिल गणी, सैयद जमीर हुसैन) को कोर्ट ने दोषी माना है। अजमेर की विशेष न्यायालय ने सभी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सभी पर 5-5 लाख रुपये का

जुर्माना भी लगाया गया है। पोक्सो विशेष कोर्ट संख्या 2 ने यह फैसला सुनाया है। इससे पहले कोर्ट ने सभी 6 लोगों को दोषी माना था। साल 1992 में 100 से ज्यादा कॉलेज गर्ल्स के साथ गैंगरेप और उनकी न्यूड फोटो सर्कुलेट होने पर तहलका मच गया था। मामले में 18 आरोपी थे। 9 को सजा हुई थी। इससे पहले 6 अगस्त को फैसला आना था, लेकिन मामले की सुनवाई 20 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। विक्रम सिंह राठौड़ ने बताया कि नफीस चिश्ती, सलीम चिश्ती, सौहेल गनी, जमील चिश्ती,इकबाल भाटी और नसीम के विरुद्ध पॉक्सो प्रकरण में चल रहे मुकदमे में फैसला आया है।

हमलावर विपक्ष, पार्टी में भी बगावत, कोर्ट के सख्त तेवर

14 साल में पहली बार चौतरफा घिरीं सीएम ममता बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप मामले में ममता सरकार चौतरफा घिरती नजर आ रही हैं। बंगाल में संदेशखाली और राजनीतिक हत्याकांड जैसे घटनाओं की गूंज पूरे देश में सुनी गई, मगर हर वर्ग की तरफ से प्रतिक्रिया नहीं हुई। कोलकाता के हॉस्पिटल में हुई नृशंस घटना से पूरे देश को झकझोर दिया। ममता बनर्जी के तीसरे कार्यकाल में हुई इस घटना के विरोध में देश के सभी राज्यों में प्रदर्शन हो रहे हैं। दिल्ली की निर्भया केस के बाद ऐसा पहली बार हो रहा है कि सोसायटी का हर वर्ग इंसाफ की मांग कर रहा है। हालात संभालने के लिए खुद ममता बनर्जी रैली के बहाने सड़क पर उतरीं, मगर यह इंसाफ के नारे और बुलंद होते चले गए। मंगलवार को इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई की। इस दौरान तीन सदस्यीय बेंच ने पश्चिम बंगाल सरकार को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने मेडिकल कॉलेज में हुई तोड़फोड़ पर नाराजगी जताई और कोलकाता पुलिस से तीखे सवाल पूछे। कोर्ट ने सीबीआई से 22

अगस्त तक स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने जो सवाल उठाए हैं, वह ममता बनर्जी की टीएमसी सरकार की टेंशन बढ़ा सकती है। कोर्ट ने सवालों से ही कोलकाता पुलिस की कार्यशैली पर भी कठघरे में खड़ा कर दिया है।

● सुप्रीम कोर्ट के सवालों का जवाब देना आसान नहीं है

आरजी कर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या हुई थी। डॉक्टर 36 घंटे से लगातार ड्यूटी कर रही थी। 10 अगस्त की सुबह वारदात के बाद डॉक्टर के परिजनों को बताया गया कि बेटी ने आत्महत्या कर ली है। हॉस्पिटल पहुंचने पर उन्हें बेटी का शव देखने के लिए घंटों इंतजार कराया गया। डॉक्टर की हत्या के बाद ममता बनर्जी की सरकार और कोलकाता पुलिस के रवैये के कारण डॉक्टरों का गुस्सा फूट पड़ा। रही-सही कसर शांतिपूर्ण धरने के दौरान मेडिकल कॉलेज में घुसकर की गई तोड़फोड़ पूरी कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी सुनवाई में इन सभी मुद्दों पर बंगाल सरकार और कोलकाता पुलिस को खरी-खरी सुनाई।

संक्षिप्त समाचार

ससुराल में फंदे से लटका मिला युवक का शव, पत्नी और साली गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। फुलवारीशरीफ के जानीपुर थाने के एक गांव में ससुराल आए दिलीप राम (28) का फंदे से लटका शव मिलने से सनसनी फैल गई। इस मामले में दिलीप की मां ने उसकी पत्नी और अन्य पर हत्या का आरोप लगाया है। दिलीप की मां ने फुलवारी प्रखंड प्रमुख के देवर सूरज कुमार और चंद्रलोक, उसकी पत्नी, ससुर, सास, साली और साला के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने उसकी पत्नी और साली को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दिलीप नेउरा के एक गांव निवासी दिलीप 16 अगस्त को ससुराल आया था। दिलीप की मां का आरोप है कि बहू का फुलवारी प्रखंड प्रमुख के देवर सूरज कुमार और चंद्रलोक से अवैध सम्बन्ध था। इसका दिलीप हमेशा विरोध करता था। सभी ने मिलकर साजिशन बुलाकर दिलीप की हत्या कर दी और शव को फंदे से लटका दिया।

जानीपुर प्रभारी थानेदार ने कहा कि घटनास्थल पर पहुंचा तो शव को फंदे से उतारकर आंगन में रखा हुआ था। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में युवक की मां के बयान पर सूरज कुमार, चंद्रलोक कुमार, उसकी पत्नी, ससुर, सास, साली और साला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। वहीं, दिलीप की पत्नी और साली को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। अन्य आरोपित फरार है।

साढू की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मनियारी पुलिस रविवार को 2015 से फरार चल रहे साढू की हत्या के आरोपी कुढ़नी थाना क्षेत्र के बक्षुमण गांव निवासी अमीर सहनी को गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष देव्रत कुमार ने बताया कि अमीर सहनी को गुप्त सूचना के अधार पर शहर से गिरफ्तार किया गया। वह नौ वर्ष से फरार चल रहा था। साढू गोरौल थाना क्षेत्र निवासी था। 2015 में उसकी संदेहास्पद स्थिति में मौत हुई, जिसका आरोप बड़े साढू अमीर सहनी पर लगाते हुए परिजनों ने मामला दर्ज कराया था।

कंटेनर से टकराया टेलर, चालक घायल

गया, एजेंसी। आमस थाना क्षेत्र के ताराडीह के पास जीटी रोड पर तेज रफ्तार ट्रेलर की टक्कर कंटेनर से हो गई। हादसे में ट्रेलर चालक राजस्थान के अरशद खान गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे आमस सीएचसी में भर्ती कराया गया। वाहन का अगला भाग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय छोटू कुमार ने बताया कि राजस्थान से हल्दिया जा रहे तेज रफ्तार ट्रेलर का संतुलन बिगड़ जाने से आगे चल रहे कंटेनर से टक्कर हो गई। हादसे के बाद देखने वालों की भारी भीड़ लग गई। एनएचएआई इंसीडेंट मैनेजर धनंजय कुमार सिंह ने बताया कि क्षतिग्रस्त वाहन को हटा कर वाहनों का परिचालन शुरू करा दिया गया।

राजस्व शिविर में आए 40 आवेदन 25 हुए निष्पादित

गया, एजेंसी। आमस पंचायत भवन में रविवार को मुखिया मनोज यादव की देखरेख में आयोजित राजस्व शिविर में किसान व रैयतों से आवेदन लिए गए। सीआई विकास कुमार सिंह ने बताया कि शिविर में दाखिल खारिज के 8, आधार सीडिंग के 24, इभूमि विवाद के एक व परिमार्जन के छह सहित कुल 40 आवेदन आए। इनमें दाखिल खारिज के पांच, आधार सीडिंग के सभी व ईभूमि के आवेदनों को ऑन द स्पॉट निष्पादित कर दिए गए। कहा परिमार्जन के आए आवेदनों की जांच कर सप्ताह भर के अंदर निष्पादित कर देने का लक्ष्य रखा गया है। सीआई ने बताया कि दादा-परदादा के नाम पर जमीन होने की वजह जमीन विवाद के मामले को सुलझाना मुश्किल हो रहा है। बटबारे के बाद कई रैयत जमीन के भूस्वामी हो गए हैं। जिनके बीच आपसी समंवय स्थापित कराना पड़ रहा है। शिविर में अनुज सिंह, माधो यादव, विरेन्द्र पासवान, रविन्द्र मिश्रा, शिवपूजन राम, उमेश यादव, ललन पासवान, विंदेश्वरी, विनोद, गणेश पासवान, श्याम यादव, नीतीश आदि किसान व रैयत रहे।

पुलिस के हत्थे चढ़ा कुख्यात लुटेरा ब्रजेश पासवान

गया, एजेंसी। गया पुलिस ने कुख्यात लुटेरा ब्रजेश पासवान पुलिस के हत्थे चढ़ गया। सोमवार को सिविल लाइन थाने की पुलिस ने डेल्हा पुल के पास से गिरफ्तार किया। लूट व छिनतई जैसी कई आपराधिक मामले में पुलिस को इसकी तलाश थी। 18 जून को गया गांधी मैदान के पास बोधगया के व्यापारी को रुपये बढ़ाने का झूठा झांसा देकर 10 लाख 40 हजार रुपये लूटकर फरार हो गया था। गिरफ्तार अपराधी ब्रजेश पासवान आरीपुर, थाना विष्णुगंज, जिला जहानाबादका रहने वाला है।

शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालयों के ग्रांट को रोका:

शिक्षकों के साथ-साथ कर्मचारियों का भी वेतन रूका

पटना, एजेंसी। विश्वविद्यालय को मिलने वाले ग्रांट पर बिहार सरकार ने रोक लगा दी है। ग्रांट नहीं मिलने से विश्वविद्यालय के शिक्षक और कर्मचारियों का वेतन भुगतान नहीं हो पा रहा है। जुलाई महीने का वेतन नहीं मिल पाया है। ग्रांट रोकने से पेंशनभोगी भी प्रभावित हो रहे हैं। डॉ एस सिद्धार्थ के आदेश पर शिक्षा सचिव वैद्यनाथ यादव ने आदेश जारी किए है। शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालयों के अनुदान पर रोक लगाने की जानकारी विश्विद्यालय कुलपतियों को दे दी है।

जारी किया गया पत्र

सोमवार को शिक्षा सचिव बैद्यनाथ यादव के सिंगनेचर से जारी पत्र में एक निर्देश के बारे में बताया गया है। कुलपतियों को कहा गया है कि सभी विश्वविद्यालयों की ओर से डाटा अपलोड किए जाने के काम की समीक्षा की जा रही है। पे-रौल मैनेजमेंट पोर्टल पर कार्य कर रहें शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मियों के वेतन के अलावा पेंशन, पारिवारिक पेंशन एवं अतिथि शिक्षकों से संबंधित आंकड़ा अपलोड करने की सुविधा दी जा चुकी है।

इस वजह से पे-रौल मैनेजमेंट पोर्टल पर जरूरी डाटा अपलोड कराने की कार्रवाई की जाए। इसे बिना देर किए पूरा किया जाए। डाटा अपलोड के बाद हीं ग्रांट दिया जाएगा।

सिर्फ 61 प्रतिशत डाटा ही अब तक उपलब्ध

शिक्षा विभाग ने पे रोल मैनेजमेंट की समीक्षा की गई। इसमें शिक्षा विभाग ने मगध विश्वविद्यालय के पे रौल मैनेजमेंट पोर्टल पर अपलोड डाटा की स्थिति की समीक्षा की। इसमें पाया गया कि विश्वविद्यालय ने सिर्फ 61 प्रतिशत डाटा ही अपलोड किया गया है। इस स्थिति पर शिक्षा विभाग ने असंतोष जताया है। इस वजह से बिहार के विश्वविद्यालयों के जुलाई के अनुदान पर सरकार ने रोक लगा दी है। यह कार्रवाई शिक्षा विभाग ने की है।

पिछले महीने मिला था आदेश

शिक्षा अपर मुख्य सचीव डॉ. एस सिद्धार्थ ने 20 जून को ही कुलपतियों को आदेश दिया था कि संबंधित विश्वविद्यालयों में स्वीकृत पद और उसके विरुद्ध कार्यरत शिक्षकों और कर्मचारियों के वेतन और पेंशन के अलावा गेस्ट टीचर का डाटा पे-रौल मैनेजमेंट पोर्टल पर अपलोड करें। डाटा अपलोड करने के साथ ही कुलपतियों ने भी इसे उपलब्ध कराने का भरोसा दिया था।

प्रेमिका के पिता ने की थी किशोर की हत्या, स्कूल के पास शव फेंक हुए फरार

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर में पुष्पम कुमार उर्फ भोलू कुमार (13 साल) आठवीं कक्षा के छात्र की शनिवार को गोली मार कर हत्या कर दी गई। इसके बाद शव को स्कूल के पास फेंक दिया गया था। मृतक की प्रेमिका के पिता ने अन्य लोगों के साथ मिलकर इसकी हत्या की थी। इस मामले में मृतक का नाबालिग दोस्त और गांव के अन्य आरोपी भी शामिल है। पुलिस ने इन्हें सोमवार को पकड़ा है।

मृतक के पिता ने 4 लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। इसमें लड़के की नाबालिग प्रेमिका के पिता, एक नाबालिक लड़का और एक युवक शामिल है। घटना इमादपुर थाना क्षेत्र के इमादपुर गांव की है। मृतक के पिता विद्यानंद पांडेय ने तीन नामजद समेत अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने कांड में संलिप्त उसके एक दोस्त समेत तीन को पकड़ा है। पकड़े गए आरोपितों में मृतक का दोस्त (नाबालिग) के अलावा विजय राम और विश्राम कहार शामिल है।

प्रेम- प्रसंग में हुई थी हत्या: पीरो डीएसपी राहुल सिंह ने प्रेम- प्रसंग में हत्या की बात कही है। मृतक के पिता का आरोप है कि गांव की एक लड़की उनके बेटे से प्रेम करती थी। इस दौरान लड़की का पिता विजय राम, विश्राम कहार और अन्य नाबालिग लड़का उनके बेटे को धमकी देते थे। गांव का विश्राम कहार दो दिनों के अंदर गोली मारने की धमकी भी दे रहा था। 17 अगस्त की रात साजिश के तहत विश्राम कहार ने फोन कर उनके बेटे को अपने पास बुलाया था।

हत्या कर स्कूल के पास फेंका था शव: बेटा गांव में जन्मदिन की पार्टी में जाने के लिए बोल कर निकला था। लेकिन, बर्थ-डे पार्टी में नहीं जाकर विश्राम कहार के पास चला गया था। जिसके बाद उसकी हत्या कर शव को स्कूल के पास फेंक दिया गया।

पुलिस मृतक का मोबाइल व कांड में प्रयुक्त हथियार बरामद करने में लगी हुई है। थानाध्यक्ष सुनीत सिंह ने बताया कि विश्राम कहार एक खाली मकान की पहरेदारी भी करता है। अक्सर पुष्पम व आरोपी नाबालिग दोनों वहां जाकर बैठते थे।

विश्राम व नाबालिग आरोपी की लड़की पर थी गलत नजर: गांव के ही खाली मकान में पुष्पम अपनी प्रेमिका से मिलता था। इस दौरान विश्राम व नाबालिग आरोपी की भी लड़की पर गलत नजर थी। विरोध करने पर दोनों ने लड़की के पिता को इसकी जानकारी दे दी।

पूछताछ में यह बात आई है कि विश्राम ने ही गोली मारी थी। लड़की के पिता के साथ मिलकर हत्या की घटना को अंजाम दिया है। ज्ञात हो कि इमादपुर गांव में शनिवार की देर रात विद्यानंद पांडे के 13 वर्षीय बेटा पुष्पम कुमार उर्फ भोलू कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

शिक्षा विभाग के पास कन्या उत्थान योजना के लिए फंड नहीं, दो लाख छात्राओं के 50-50 हजार रुपये फंसे

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार में शिक्षा विभाग के पास कन्या उत्थान योजना की राशि देने के लिए फंड नहीं है। इस कारण राज्य की लगभग दो लाख छात्राओं के 50-50 हजार रुपये फंस गए हैं। इन्होंने इस योजना के तहत आवेदन किया हुआ है। बता दें कि पहले सरकार द्वारा स्नातक पास छात्राओं को 25 हजार रुपये दिए जाते थे। अप्रैल 2021 में इस राशि को बढ़ाकर 50 हजार कर दिया गया था।

शिक्षा विभाग के पोर्टल पर इन छात्राओं के आवेदन को रेडी फॉर पेमेंट के तौर पर दिखाया जा रहा है। हालांकि, जब छात्राएं अपने रजिस्ट्रेशन नंबर से स्टेटस चेक कर रही हैं, तो उसमें लिखा आ रहा है कि सब्जेक्ट टू अवेलेबिलिटी ऑफ फंड यानी फंड आने पर ही राशि दी जाएगी।

मुजफ्फरपुर के बीआर अंबेडकर यूनिवर्सिटी के डीएसडब्लूय प्रोफेसर आलोक प्रताप ने कहा कि इस बारे में जानकारी लेकर निदेशालय से पत्राचार किया जाएगा। सबसे अधिक लनामिवी की छात्राओं की कन्या उत्थान राशि लंबित है। यहां करीब 29 हजार छात्राओं को राशि नहीं मिली है। बीआरएबीयू में 8524 छात्राओं की राशि अटकी हुई है। पैसा नहीं मिलने से छात्राएं कॉलेज से लेकर यूनिवर्सिटी तक के चक्कर काट रही हैं। हर तरफ से सिर्फ आश्वासन मिल रहा है।

प्रखंड स्तर पर शिक्षा विभाग लगेगा जनता दरबार, बीईओ

बिहार यूनिवर्सिटी में बीते 6 महीने से 15 हजार छात्राओं की राशि लंबित थी। शिक्षा विभाग ने 6500 छात्रां का भुगतान किया है। कई छात्राओं की शादी मुजफ्फरपुर से बाहर हो गई है। राशि का पता करने उन्हें काफी दूर से यूनिवर्सिटी आना पड़ता है। राशि नहीं मिलने से उनकी आगे की पढ़ाई भी अटकी हुई है।

76 हजार से शुरू किया मछली पालन, सालाना कमाई 15 लाख

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय के विक्रम (28) युवकों के बीच रॉल मॉडल बनकर उभरे हैं। मछली पालन से ना केवल अच्छी कमाई कर रहे हैं, बल्कि अपने क्षेत्र के 10 लोगों को जॉब भी दिया है। विक्रम ने जब मछली पालन करने की बात अपने घर वालों को बताई तो उन्हें ऐसा करने से मना किया गया। उनसे कहा गया, पढ़े लिखे हो, सरकारी नौकरी करो। लेकिन, विक्रम ने अपनी मन की सुनी और आज वो 5 लाख खर्च कर सालाना 12 से 15 लाख रुपए कमा रहे हैं। उन्होंने 76 हजार के मछली के बीज से ये काम शुरू किया था।

वीरपुर प्रखंड क्षेत्र के पर्रा गांव निवासी विक्रम बताते हैं कि, बीए की पढ़ाई पूरी करने के बाद केंद्रीय शिक्षक नियुक्ति पात्रता परीक्षा पास की और काम की तलाश में जुट गया। इस दौरान गांव में देखा कि पुस्तैनी निचली जमीन में छोटे-छोटे गड्ढे थे। इसे कुछ लोग लीज पर लेकर छोटे स्तर पर मछली पालन कर रहे थे। यही से खुद का मछली पालन करने का आइडिया आया।

पहली बार कारोबार में मिला धोखा: विक्रम ने मछली पालन को लेकर जानकारी जुटानी शुरू की। इस दौरान उन्होंने पटना में मत्स्य विभाग से ट्रेनिंग ली। इसके बाद 2019 में एक लाख रुपए खर्च कर मछली उत्पादन शुरू करने का फैसला लिया। अपने ही खेत में तालाब बनाया और 76 हजार रुपए की मछली बीज (मछली के बच्चे) दरभंगा से ले आए।

6 महीने में मछलियां बड़ी हो गई। लेकिन, एक साल के बाद जब निकालने का समय हुआ तो पता चला कि जहां से मछली बीज खरीदे थे, उसने धोखा दिया है। बीज बेचने वाले ने जिस क्वालिटी की मछली देने की बात कही थी, वह नहीं दिए। उन्होंने मछली बेची, लेकिन ज्यादा मुनाफा नहीं हुआ।

खुदरा कारोबारी तालाब पर आकर खरीदते हैं मछली: इसके बाद कोलकाता और वैशाली से मछली की बीज लाए और उनका पालन शुरू किया। यह प्रयास सफल हो गया। धीरे-धीरे विक्रम ने अपने कारोबार को बढ़ाना शुरू कर दिया। आज मछली पालन के लिए वह साल में 5 लाख रुपए खर्च करते हैं। मछली से उन्हें साल में 12-15 लाख रुपए की बचत हो रही है। मछली के खुदरा कारोबारी तालाब पर आकर खरीद कर ले जाते हैं। डिमांड के अनुसार मछलियां निकाली जाती हैं और उसे बेचते हैं।

विक्रम ने बताया कि वर्तमान में ग्लासकॉर्प, रेहू, कतला, बी-ग्रेड, मीरकी और मिरगल आदि मछली का उत्पादन कर रहे हैं। इसको लेकर 10 बीघे में दो तरीके से तालाब बनाया है। एक तालाब में फीडिंग वाली मछली रहती है और दूसरे तालाब में नन फीडिंग मछली को रखते हैं। मछलियों को उनके वजन के अनुसार 7प्रतिशत फीडिंग कराया जाता है। विक्रम बताते हैं कि पानी का एरिया जितना बड़ा होगा, उतना मछली का उत्पादन अच्छा होगा। 20 कट्टा में 50 से 60 किलो बीज डालते है तो मछली का उत्पादन काफी सक्सेसफुल रहेगा। उन्होंने बताया कि जिला मत्स्य कार्यालय से काफी मदद मिल रही है। फिसरीज साइंटिस्ट भी संपर्क में हैं। इस कारोबार को और आगे डेवलप करेंगे।

लो फीडिंग फार्मिंग: विक्रम लो फीडिंग फार्मिंग करते हैं। इसका मतलब है कि तालाब को अच्छे तरीके से तैयार करना। इसमें गोबर, वर्मी कंपोस्ट, सिंगल सुपर फास्फोरस और दवाई मिलाकर डालते हैं। इससे जलीय पौधे पनप जाते हैं। इसमें मछली को नेचुरल फीड मिलता है।

भाई भी पढ़ाई करने के साथ कर रहा मछली पालन: विक्रम ने बताया कि चचेरा भाई नीतीश भी पढ़ाई करने के साथ-साथ मछली पालन कर रहा है। तालाब में ऑक्सीजन लेवल बनाए रखने के लिए हंस भी पाल रखा है। हम लोगों मछली की बिक्री लोकल मार्केट में ही करते हैं। जिंदा और ताजा मछली की डिमांड है, जिससे आमदनी भी अच्छी होती है।

गुरुआ में कैंप पर हमला कर अपराधियो ने मजदूरों को पीटा, की फायरिंग

गया, एजेंसी। गुरुआ थाना क्षेत्र के कठबारा गांव के पास से गुजर रही भारत माला एक्सप्रेसवे का निर्माण में लगी मेहता कंपनी के कैंप पर शनिवार की रात हथियारों से लैश अपराधियो ने हमला कर दिया। अपराधियो ने कैंप में मजदूरो के साथ मारपीट कर दो मजदूर को बुरी तरह घायल कर दिया। दहशत फैलाने के लिए पांच राउंड गोलियां चलाई। घटना से मजदूरों में भय व्याप्त है। इस मामले में भारत माला एक्सप्रेसवे का निर्माण में लगी मेहता कंपनी के एक मजदूर झारखंड के गढ़वा जिले के नगर उटारी गांव के रहने वाले शिवकुजन राम चंद्रवंशी ने गुरुआ पुलिस को बताया कि मेहता केंपनी द्ववारा भारत माला एक्सप्रेसवे में पुल-पुलिया का गडर का निर्माण कर रही है। शनिवार की रात काम कर हरे मजदूर कैंप में सोने जा रहे थे। इसी बीच हथियारों से लैश सात अपराधी पहुंचे और काम क्यों नहीं बंद किया बोलते हुए दो मजदूर राजारोहित व शिवकुमार विश्वकर्मा को रड से वार कर बुरी तरह जख्मी कर दिया। अन्य मजदूर कैंप छोड़कर भागने लगे। भाग रहे मजदूरो पर अपराधियो ने तीन गोलियां चलाई। गोली किसी को नहीं लगी। गोली चलने की आवाज सुन जब ग्रामीण जुटने तब अपराधियों ने दहशत फैलाने के लिए दो और फायरिंग करते हुए फरार हो गए। जाते-जाते एक अपराधी ने एक पुर्जा उसे थमा दिया और कहा कि हम दानिश इकबाल इस घटना की जिम्मेबारी लेते है। कंपनी के कर्मी ने दिए गए पुर्जे को गुरुआ थाने को सौंप दिया। कंपनी के कर्मी ने इस मामले में अज्ञात सात अपराधियो के खिलाफ गुरुआ थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। दूसरी ओर इस घटना की जिम्मेबारी दानिश इकबाल नामक व्यक्ति ने अपने ऊपर ली है। थानाध्यक्ष मोहम्मद सरफराज इमाम ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही गुरुआ पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई, लेकिन पुलिस के पहुचने के पहले अपराधी भाग गए। उन्होंने कहा घटना में शामिल अपराधियो को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सड़क हादसे में युवक की मौत, 3 जख्मी:भोजपुर में बाइक-ऑटो की सीधी भिड़ंत, एक की हालत नाजुक

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर में बिहिया-बिहटा स्टेट हाईवे पर पीरो थाना क्षेत्र के मनैनी छलक के समीप सोमवार की देर शाम ऑटो व बाइक की सीधी भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक पर सवार एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि, ऑटो पर सवार सगे भाई-बहन व बाइक पर सवार मृतक का दोस्त गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घायलों में एक की स्थिति गंभीर है।

घायलों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहीं, बाइक सवार तीसरे जख्मी का इलाज स्थानीय पीएचसी में कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मृतक रोहतास जिला के दावथ थाना क्षेत्र के कटईल बाल मठिया गांव निवासी राम कुमार का बेटा संजय पासवान (34) है। जख्मियों में बाइक पर सवार उसी गांव के निवासी स्व.तुलसी पासवान का बेटा अखिलेश पासवान व ऑटो पर सवार बक्सर जिला के आदर्श नगर थाना क्षेत्र के शांति नगर निवासी रामजी साव का बेटा मंगल कुमार (19) और बेटी ममता देवी (30) शामिल है। मृतक के बेटे ने बताया कि उसके पिता घर से बोल कर निकले थे कि वो कुछ देर में आयेंगे। अपने दोस्त अखिलेश पासवान के साथ अपने गांव से बाइक पर सवार होकर चरपोखरी थाना क्षेत्र के कोयल गांव जा रहे थे। जबकि, ऑटो पर सवार सगे भाई-बहन अपने गांव से आरा स्टेशन आए। ऑटो से सिकरहटा थाना क्षेत्र के लबना गांव से जा रहे थे। उसी दौरान मनैनी छलका के समीप ऑटो व बाइक की सीधी भिड़ंत हो गई। जिसमें बाइक सवार संजय पासवान की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक के दोस्त अखिलेश पासवान व ऑटो पर सवार मंगल कुमार और उसकी बहन ममता देवी जख्मी है। इसके बाद मंगल कुमार और ममता देवी को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। बाइक सवार जख्मी अखिलेश पासवान का इलाज पीरो पीएचसी में कराया जा रहा है। इस हादसे में मंगल कुमार का पैर बुरी तरह से फ्रैक्चर कर गया है। बताया जाता है कि मृतक संजय पासवान के परिवार में पत्नी सीता देवी व दो बेटा अभय कुमार और विक्की कुमार है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है।

रोहतास के 12 ओपी उत्क्रमित कर थाना बनाएं गए: सभी नए थानों के क्षेत्राधिकार का हुआ निर्धारण

सासाराम (रोहतास), एजेंसी। रोहतास के 12 ओपी को उत्क्रमित कर अब पूर्ण थाना का दर्जा दे दिया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसपी विनीत कुमार ने बताया कि जिले के 12 ओपी पूर्ण रूप से थाना में बदल गये हैं। उनका क्षेत्राधिकार भी मिल गया है। बताया कि सभी पुराने ओपी अब थाना हो गये हैं। केवल पिछले साल खुले 5 नए ओपी अब ओपी बचे जिनका कोई क्षेत्राधिकार नहीं है।

इसके अलावा कुल 17 नए थाना का प्रस्ताव गृह विभाग में विचाराधीन है। एसपी ने बताया कि बड्डी, यदुनाथपुर, बड़हरी, भानस, धौडाढ़, करवंदिया, इंद्रपुरी, अमझोर, परसथुआ, दरिगांव, धर्मपुरा, एवं डालमियानगर ओपी को उत्क्रमित कर पूर्ण थाना बना दिया गया है, और थाने के रूप में कार्य करना शुरू कर दिया गया है।

इन थानों को मिला पुर्ण दर्जा: बड्डी ओपी को बड्डी थाना में उत्क्रमित कर दिया गया है। इसके क्षेत्राधिकार में 6 पंचायत कोनकी, रायपुर चोर, नाद, मोहम्मदपुर, उल्हों एवं आलमपुर आयेंगे। यदुनाथपुर ओपी अब यदुनाथपुर थाना में उत्क्रमित कर दिया गया है, इसके अंतर्गत मात्र एक पंचायत यदुनाथ आएगा।

नए उत्क्रमित बड़हरी थाना में पांच पंचायत बड़हरी, रेडिया, अकोढ़ी, सेन्दुआर एवं अगरसी आएंगे। नए उत्क्रमित भानस थाना में तीन पंचायत कंजर, चिल्हरूआ एवं समहुती आएंगे। नए उत्क्रमित धौडाढ़ थाना के क्षेत्राधिकार में दो पंचायत धौडाढ़ एवं धनकाढ़ा आएंगे।

करवंदिया थाना अंतर्गत करवंदिया और अमरी आएंगे। इंद्रपुरी थाना अंतर्गत तीन पंचायत चकनवां, भैसहां एवं भलुआड़ी आएगा। नव उत्क्रमित अमझोर थाना के अंतर्गत चार पंचायत सरैया, रामडिहरा, केरपा एवं चितौली आएंगे। परसथुआ थाना अंतर्गत कथराई और चितैनी आएंगे। दरिगांव थाना अंतर्गत चार पंचायत दरिगांव, करसेरूआ, भदोखरा, सिकरिया आएंगे।

उत्क्रमित धर्मपुरा थाना के अंतर्गत तीन पंचायत धर्मपुरा, नोनसारी एवं ह?थिनी आएंगे। जबकि उत्क्रमित डालमियानगर थाना अंतर्गत गंगौली, मथुरी, डालमियरनगर व

नीट पेपर लीक के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया का बैंक अकाउंट फ्रीज, सीबीआई के बाद ऐक्शन में ईडी

पटना, एजेंसी। नीट पेपर लीक में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी जांच शुरू कर दी है। ईडी ने पेपर लीक के मास्टरमाइंड में शामिल संजीव मुखिया के बैंक खाते पर रोक लगा दी है। वह अभी फरार चल रहा है। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत की गई है। जांच में पाया गया कि संजीव के बैंक अकाउंट में 5.27 लाख रुपये हैं। यह रकम कहां से आई और कब-कब पैसे की निकासी की गई, इसकी जांच भी की जा रही है।

नीट पेपर लीक का आरोपी संजीव मुखिया नालंदा जिले का रहने वाला है। उसका नूरसराय के हॉर्टिकल्चर कॉलेज के पंजाब नेशनल बैंक में खाता है। मनी लॉन्ड्रिंग के तहत ईडी नीट पेपर लीक के आरोपियों की संपत्ति की जांच कर रही है। इस दौरान उसे संजीव मुखिया के इस अकाउंट के बारे में पता चला। सीबीआई और ईडी के बाद इनकम टैक्स विभाग भी इस केस की जांच में शामिल हो गया है। आयकर चोरी के एंगल से भी बैंक खाते की छानबीन की जा रही है।

बता दें कि नीट पेपर लीक मामले में आरोपियों के खिलाफ ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया है। ईसीआईआर (इंफोर्समेंट केस इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट) दर्ज करने के बाद उनकी चल-अलच संपत्ति और उसके स्रोतों की जांच की जा रही है। दूसरी ओर, सीबीआई की विशेष न्यायिक दंडाधिकारी ने सोमवार को नीट पेपर लीक के आरोपित अमित कुमार सिंह की सीबीआई रिमांड चार दिन के लिए और बढ़ा दी है। सीबीआई ने अमित कुमार सिंह की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद विशेष अदालत में पेश किया था।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

विश्व मच्छर दिवस पर सदर अस्पताल परिसर में नर्सिंग छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

- वेक्टर रोगों से बचाव जरुरीः डीएस डॉ अवधेश कुमार
- बरसात के मौसम में मच्छरों का बढ़ जाता है प्रकोप, मछड़दानी का प्रयोग जरुरी

बीएनएम। मोतिहारी

विश्व मच्छर दिवस के अवसर पर जिले के सदर अस्पताल परिसर में नर्सिंग छात्राओं एवं जिला मलेरिया कार्यालय के कर्मियों द्वारा मंगलवार को वेक्टर जनित रोगों से बचाव के बारे में जागरूक करते हुए प्रभात फेरी निकाली गईं। मौके पर सदर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. अवधेश कुमार एवं जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शरत चंद्र शर्मा ने लोगों को मच्छर जनित रोग डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, कालाजार, फाइलेरिया आदि रोग से बचाव के उपाय बताते हुए सोते समय मछड़दानी का प्रयोग करने की बातें बताई। मौके पर डॉ. अवधेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया की विश्व मच्छर दिवस की शुरुआत सबसे पहले 1897 में हुई थी, जब सर रोनाल्ड रॉस ने मच्छरों और मलेरिया संक्रमण के बीच संबंध की खोज की थी। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मच्छर जनित रोगों के कारणों और इसे कैसे रोका जा सकता है, इसके बारे में जागरूकता बढ़ाना है। वहीं डॉ. शरत चंद्र शर्मा ने कहा की बरसात के समय में मच्छरों के काटने का मामला बढ़ जाता है, इससे कई बीमारियां होती है। इसी के बारे में लोगों को जागरूक करने के मकसद से विश्व मच्छर दिवस मनाया गया है। उन्होंने बताया कि कालाजार मादा बालू मक्खी के काटने से फैलने वाली बीमारी है, जो गंदे एवं नमी वाले इलाकों तथा कच्चे घरों में अधिक पाया जाता है। इस रोग के कारण बुखार के साथ-साथ, रोगी के जिगर के तिल्ली का बढ़ जाना, रक्त की कमी होना, हाथ पैर में कमजोरी, वजन में कमी,चेहरे का रंग भूरा, काला होना आदि है।

सरकारी अस्पताल में है जाँच व इलाज की सुविधाः वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शरत चन्द्र शर्मा ने बताया की वेक्टर रोग होने पर इसकी जाँच व इलाज की सुविधाएं सभी सरकारी अस्पताल में उपलब्ध है। उन्होंने बताया की डेंगू के लक्षण तेज बुखार, सिरदर्द, जी मिचलाना, थकान, उल्टी, मांसपेशियों में तेज दर्द होता है। वहीं मलेरिया एक खास तरह के परजीवी से होता है, जो मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से शरीर में प्रवेश कर जाता है। गर्भवती महिलाओं और बच्चों को मलेरिया का ज्यादा खतरा होता है। मलेरिया के लक्षण में व्यक्ति को ठंड लगना शरीर में दर्द बुखार डायरिया तनाव व थकान खून की कमी चक्कर आना है। मौके पर वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शर्मा, डीएस डॉ. अवधेश कुमार, भीडीसीओ धर्मेंद्र कुमार, रविंद्र कुमार, प्रेमलता कुमारी, चंद्रभानु सिंह, ऑपरेटर धीरज कुमार, स्टॉफ नर्स मीना लाल व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे ।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की हुई बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्ण भवन सभागार में मंगलवार को अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। उक्त बैठक में अपर समाहर्ता के द्वारा सड़क दुर्घटनाओं की थानावार समीक्षा करते हुए दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। सभी थानाध्यक्ष को सड़क दुर्घटनाओं का शत-प्रतिशत प्रविष्टि आईआरएडी पोर्टल पर करने का निर्देश दिया गया। हिट एंड रन सड़क दुर्घटनाओं में मुआवजा भुगतान की समीक्षा करते हुए जिला परिवहन पदाधिकारी तथा सभी थानाध्यक्ष को त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। सड़क दुर्घटनाओं के नियंत्रण हेतु जिला परिवहन पदाधिकारी/मोटरयान निरीक्षक/पुलिस उपाधीक्षक (यातायात)/सभी थानाध्यक्ष को विशेष जांच अभियान चलाते हुए ओवरस्पीड/हेलमेट/सीट बेल्ट/प्रदूषण/बीमा इत्यादि का जांच करने हेतु निदेशित किया गया। इस बैठक में अपर समाहर्ता के साथ जिला परिवहन पदाधिकारी, सिविल सर्जन, यातायात डीएसपी सहित विभिन्न थानाध्यक्ष एवं समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने पद्मश्री गोदावरी दत्त की आकृति उकेर दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

बीएनएम। मोतिहारी

अंतरराष्ट्रीय पटल पर मधुबनी पेंटिंग को देश-विदेश में पहचान दिलाने में बड़ी भूमिका निभाने वाली 93 वर्षीय पद्मश्री गोदावरी दत्त का निधन से देशभर में शोक को लहर है। वही इस खबर की जानकारी सोशल मीडिया पर मिलते ही भारत के चर्चित अंतर्राष्ट्रीय रेत कलाकार (Sand Artist) मधुरेंद्र कुमार ने भी भावुक हो गए। देश के ऐसे महान कलाकार को अपनी अनूठी कलाकृति (leaf Art) बनाकर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि भी दिया है। मंगलवार को बिहार के चंपारण निवासी सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने अपनी 5 घंटों के कठीन मेहनत के बाद दुनियां के सबसे छोटी 5 सेमी. वाली पीपल के हरे पत्तों पर मिथिला पेंटिंग के गुरु कहे जाने वाले पद्मश्री गोदावरी दत्त की भावपूर्ण कलाकृति बनाकर अपनी गहरी शोक संवेदना प्रकट की हैं। सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने पद्मश्री गोदावरी दत्त के बारे बताया कि उन्होंने मधुबनी पेंटिंग कला को फर्श और दीवारों से उठाकर देश और विदेशों में पहचान दिलाने बड़ी भूमिका निभाई हैं। इनकी पेंटिंग जापान के मिथिला म्यूजियम में भी प्रदर्शित की गई है। वह अक्सर कहती थीं कि आज मैं जो कुछ भी हूं, वह इस कला की बदौलत ही हूं। मधुबनी पेंटिंग कला का ही प्रभाव है, जिसने मुझे बिखरने से बचा लिया। काफी वृद्ध होने के बावजूद वह मधुबनी पेंटिंग बनाती रहीं। बता दें कि पद्मश्री गोदावरी देवी दत्त ने लगभग 50 हजार से ज्यादा लोगों को मधुबनी पेंटिंग सिखाया था। उनकी कला से पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भी काफी प्रभावित हुई थीं। पद्मश्री गोदावरी देवी दत्त का जन्म 1930 में दरभंगा जिला के बहादुरपुर थाना क्षेत्र के भगवती स्थान में हुआ था। जब वह काफी छोटी थीं तो उनके पिता का निधन हो गया था। वह अपनी मां सुभद्रा देवी से मिथिला पेंटिंग सीखकर कला की शिक्षा ग्रहण की थी। उन्होंने अपने जीवन में काफी उतार-चढ़ाव देखे। मधुबनी के रांटी गांव में उपेन्द्र दत्त से उनकी शादी हुई। लेकिन कुछ साल बाद ही पति ने उनके सामने ही दूसरी शादी कर ली थी। इसके बाद वह अपनी एकलौती संतान के साथ अपना जीवन व्यतीत करती रहीं। गौरतलब हो कि सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र आए दिन खुशी का पल हो या दुःख का खबर सभी ज्वलंत मुद्दों पर अपनी अनोखी कलाकृति के माध्यम से कटाक्ष करने में माहिर हैं। इनकी कला समाज को एक सकारात्मक संदेश भी देता है।

छात्र नेता के निष्कासन व केविवि में हुई फर्जीवाड़े के खिलाफ दिया धरना

छात्र नेता का निष्कासन वापस लेने और नियुक्तियों में हुई फर्जीवाड़े की उच्चस्तरीय जाँच कराकर दोषियों पर कारवाई की मांग

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के नियुक्ति में हुई फर्जीवाड़े के खिलाफ आवाज उठाने पर छात्र नेता और विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग के छात्र आकाश सिंह राठौड़ (आकाश कुमार) को विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा निष्कासित किये जाने के बाद छात्र, युवा और बुद्धिजीवी लोगों द्वारा शहर के कचहरी चौक पर एकदिवसीय धरना दिया गया। धरना को सम्बोधित करते हुए छात्र नेता पुन्नू सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के नियुक्ति में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा हुआ है। गलत सूचना और अवैध प्रमाण -पत्र लगाकर लोग नियुक्त पा लिए है। छात्र नेता श्री सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के सेक्शन ऑफिसर पद पर दिनेश हुड्डा की नियुक्ति गलत तरीके से और सारे नियमों को धता बताकर किया गया है। सेक्शन ऑफिसर पद के लिए जो अहर्ता होनी चाहिए उस मानक को दिनेश हुड्डा पूरी नहीं कर रहे हैं। इसको लेकर छात्र नेता आकाश सिंह राठौड़ ने विश्वविद्यालय के कुलपति से मिलकर सारी चीजों को अवगत कराया, इसी बीच विश्वविद्यालय दिनेश हुड्डा को प्रमोशन दे दिये जिसको लेकर आपत्ति करते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया उसी वीडियो को आधार बनाकर पहले विश्वविद्यालय से अगले आदेश तक निलंबित किया गया उसके बाद विश्वविद्यालय से ही निष्कासित कर दिया गया। छात्र नेता पुन्नू सिंह ने कहा विश्वविद्यालय प्रशासन अविलंब छात्र नेता आकाश सिंह राठौड़ का निष्कासन वापस लेते हुए नियुक्तियों में हुई फर्जीवाड़े का उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों पर कारवाई करे अन्यथा चरणबद्ध आंदोलन किया जायेगा। वहीं पूर्व जिला पार्षद सह उत्पाद समिति के अध्यक्ष मोख्तार प्रसाद गुप्ता ने कहा कि फर्जीवाड़े के खिलाफ आवाज उठाने पर विश्वविद्यालय से निष्कासित करना विश्वविद्यालय प्रशासन के तानाशाही को दर्शाता है। लोकतांत्रिक देश मे आवाज उठाने पर कारवाई लोकतंत्र की हत्या और छात्र विरोधी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन अविलंब दोषियों पर कारवाई करते हुए छात्र नेता आकाश सिंह राठौड़ का निष्कासन वापस ले। ढाका विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अभिजीत सिंह ने कहा कि बापू के कर्मभूमि चम्पारण में उनके नाम से स्थापित महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में फर्जीवाड़े के खिलाफ आवाज उठाने पर कारवाई बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण है। इसकी कड़े शब्दों में भर्त्सना करते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन को आकाश द्वारा लगाये गये आरोपो की जांच करनी चाहिए फिर किसी नतीजे पर पहुँचना चाहिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा किया गया कारवाई पूरी तरह से एकतरफा और द्वेषपूर्ण है। पिपरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अंकुश कुमार सिंह ने कहा कि फर्जीवाड़े के खिलाफ आवाज उठाने पर विश्वविद्यालय से निष्कासित करना हितलशाही है उन्होंने चम्पारण के सभी जनप्रतिनिधियों से इसके खिलाफ आवाज उठाने की अपील किया। धरना को पूर्व जिला पार्षद सह उत्पादन समिति के अध्यक्ष मोख्तार प्रसाद गुप्ता , ढाका विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अभिजीत सिंह , आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, पिपरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी अंकुश कुमार सिंह,छात्र नेता प्रिंस सिंह,बिट्टू दुबे, पुन्नू सिंह ,आकाश यादव, प्रिंस राणा, मुकेश यादव,राजकुमार ,साहिल ,शेखर टिंकू, विनय गिरी, सर्वजीत यादव सहित अन्य ने सम्बोधित किया।

चलते शरीर, चलते मन' विषयक कार्यशाला के दूसरे दिन शारीरिक भाषा और नृविज्ञान पर केंद्रित विचार-विमर्श

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के बृहस्पति सभागार में चल रहे तीन दिवसीय व्याख्यान और कार्यशाला कार्यक्रम के दूसरे दिन की शुरुआत उत्साहपूर्ण वातावरण में हुई। कार्यक्रम प्रधान संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव और संरक्षक प्रो. प्रसून दत्त के मार्गदर्शन और डॉ. स्वेता के संयोजन में आयोजित हुई। 'चलते शरीर, चलते मन, नृविज्ञान को सजीव करने का अभ्यास' विषयक कार्यशाला के दूसरे दिन मुख्य अतिथि और वक्ता के रूप में प्रो. कोएलट्ज ग्रिट की उपस्थिति रही। मंच पर डॉ. मनीषा रानी और प्रो. ग्रिट के साथ-साथ डॉ. उपमेष कुमार भी मौजूद थे। प्रो. ग्रिट का स्वागत मीडिया अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने पुष्पगुच्छ भेंट कर की। डॉ. मिश्र ने कहा कि यह कार्यशाला हमारे शिक्षण और अनुसंधान की पद्धतियों में एक नई दिशा देने वाली है। प्रो. ग्रिट जिस तरह से शारीरिकता और नृविज्ञान के बीच के गहरे संबंध को प्रस्तुत करेंगी, वह न केवल शोधार्थियों के लिए बल्कि शिक्षकों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। इस कार्यशाला से हमें यह सीखने को मिलेगा कि कैसे शारीरिक अनुभवों के माध्यम से समाज और संस्कृति को समझा जा सकता है। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रो. ग्रिट ने कुछ नृत्य और व्यायाम मुद्राओं की प्रस्तुति की। उन्होंने अपने प्रस्तुतिकरण में कार्यशाला के महत्व, उद्देश्य और 'शरीर को एक स्थान के रूप में' कैसे देखा जा सकता है, इस पर जोर दिया। प्रो. ग्रिट ने अपने वक्तव्य में कहा कि नृविज्ञान में शारीरिकता का अध्ययन मात्र एक शारीरिक अभ्यास नहीं है, बल्कि यह एक गहरे अनुभव और अवलोकन का माध्यम है। शरीर एक ऐसा स्थान है जहां संस्कृति, भावना और समाज की विभिन्न परतें मिलती हैं। जब हम अपने शरीर को समझते है तो हम अपने समाज और संस्कृति को भी बेहतर तरीके से समझ पाते हैं। उन्होंने संगीत, नृत्य धारणाओं और शारीरिक अनुभूतियों के महत्व पर भी प्रकाश डाला और बताया कि ये तत्व कैसे हमारे शरीर और मन को प्रभावित करते हैं। डॉ. स्वेता ने अपने विचारों को साझा करते हुए 'दुनिया में अपने शरीर को कैसे देखते हैं और इस दृष्टिकोण से नृविज्ञान को कैसे समझ सकते हैं' पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे सभ्यता और संस्कृति के तत्व हमारे समाज की गहरी समझ को आकार देते हैं और इस समझ को नृविज्ञान के अध्ययन के माध्यम से कैसे प्रकट किया जा सकता है। कार्यशाला में प्रतिभागियों ने प्रो. ग्रिट, डॉ. मनीषा रानी, डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र और डॉ. स्वेता के विचारों से प्रेरणा ली और नृविज्ञान के इस अनूठे दृष्टिकोण को सराहा। इस कार्यशाला ने न केवल शारीरिकता को एक महत्वपूर्ण अध्ययन के रूप में प्रस्तुत किया, बल्कि इसे समझने और अपनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। डॉ. मनीषा रानी ने कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव, प्रो. प्रसून दत्त सिंह और संयोजक डॉ. स्वेता को इस जानकारीपूर्ण और प्रभावशाली कार्यशाला के आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने नृविज्ञान के वास्तविक अर्थ को स्पष्ट करते हुए कहा कि नृविज्ञान समाज का व्यवस्थित अध्ययन है, जिसमें हम विभिन्न सांस्कृतिक और सामाजिक संरचनाओं का विश्लेषण करते हैं। कार्यशाला के दूसरे दिन डॉ. उमेश पात्रा, डॉ. ओमकार पैथलोथ, डॉ. बबलू पाल, डॉ. अभय विक्रम सिंह आदि शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों की उपस्थिति थी। कार्यक्रम के संयोजन में शोधार्थी राजश्री खिल्लर, निखिल पाण्डेय और मनीष कुमार का विशेष सहयोग रहा।

भारतीय परम्परा की संवाहक भाषा संस्कृत - प्रो0 प्रसून दत्त सिंह

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के द्वारा संस्कृत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मानविकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने किया। कार्यक्रम में शोधार्थिनी रीता राय ने सरस्वती वन्दना करके शुभारम्भ किया। तत्पश्चात् वरिष्ठ शोधार्थिनी पापिया गंड़ाई ने ध्येयमन्त्र किया। मनोरंजक रूप से राष्ट्रीय भावना को प्रेरित करने वाले "प्रियं भारती तत्सदा रक्षणीयम्" गीत से शोधच्छात्रा रञ्जू यादव ने सभी के मन को आह्लादित किया तो वहीं एमए की छात्रा गुड़िया कुमारी ने मेघदूतम् गीतिकाव्य के कतिपय श्लोकों का सुमधुर वाचन किया। वहीं शोधच्छात्र विश्वनाथ छाटुई ने "आ जा सनम....." संस्कृतानुवादित गीत की प्रस्तुति दी। विभाग के शोधच्छात्र गोपाल कृष्ण मिश्र ने "संस्कृत एवं संस्कृति" विषय पर प्रेरक भाषण दिया। आपने बताया कि भारतीय संस्कृति के विकास में संस्कृत भाषा का महत्त्वपूर्ण स्थान है। कहां भी गया है - "भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा"। तदनन्तर वरिष्ठ शोधच्छात्रा सुपर्णा सेन ने संस्कृत की उपयोगिता विषय पर प्रेरणादायी भाषण दिया। संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ विश्वजित् बर्मन महोदय ने "गीतगोविन्दम्" की सुमनोहारिणी प्रस्तुति दिया। बर्मन महोदय ने बताया कि संविधान में भी संस्कृत भाषा के महत्त्व को देखते हुए स्थान दिया गया है। वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश इत्यादि प्रदेशों में भी संस्कृत संस्थानों की स्थापना के द्वारा देवभाषा का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। एक्सिस कोषागार तथा कई अन्य कोषागारों में भी इस समय संस्कृत भाषा के विकल्प को स्थान दिया गया है। विभिन्न रोजगार के अवसरों पर डॉ. बर्मन ने उचित प्रकाश डाला। संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ बबलू पाल ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा में संस्कृत की उपयोगिता को स्पष्ट करते हुए भारतीय समाज में संस्कार और परम्परा के लिए संस्कृत भाषा की महती उपयोगिता को समझाया। आपने बताया कि मानव स्वास्थ्य के लिए सुश्रुत संहिता, चरक संहिता के साथ ही योगशास्त्र का विस्तृत वर्णन संस्कृत में ही प्राप्त होता है। कार्यक्रम के संरक्षक एवं अध्यक्षता कर रहे मानविकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता, गांधी भवन परिसर के निदेशक तथा विश्वविद्यालय के मुख्य कुलानुशासक प्रो० प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं है अपितु हमारे संस्कारों की निर्माता है। वेद, उपनिषद्, वेदांग, साहित्य, दर्शन, व्याकरण के साथ ही विज्ञान और धर्मशास्त्रों का जो विस्तृत वर्णन संस्कृत साहित्य में प्राप्त होता है, ऐसा विस्तृत एवं विशाल साहित्य अन्य किसी भी भाषा में नहीं प्राप्त होता है। अन्त में आपने बताया कि वर्तमान समय में संस्कृत भाषा की उपयोगिता को दृष्टिगत रखते हुए शिक्षा नीति २०२० में विशिष्ट स्थान प्राप्त है। अजय चन्द्र दास ने एकात्मता मन्त्र किया । शान्ति मन्त्र से कार्यक्रम की समाप्ति हुई। कार्यक्रम का सफर संचालन शोधच्छात्र सुखेन घोष ने किया। संस्कृत दिवस समारोह में संस्कृत विभाग के सभी शोधार्थी एवं परास्नातक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

एसएसबी ने तमसा नदी के पानी में फंसे दस श्रद्धालु को रेस्क्यू करके जान बचायी

बीएनएम। बगहा

सशस्त्र सीमा बल सीमा सुरक्षा सहित सामाजिक सुरक्षा और मानव सुरक्षा को ले भी तत्पर रहता है। इसी क्रम में सोमवार की शाम अंतिम सोमवारी और रक्षाबंधन के अवसर वाल्मीकि आश्रम दर्शन कर लौटते समय तमसा नदी में अचानक से आए पानी का तेज बहाव में फंसे दस श्रद्धालू का सफल रेस्क्यू सशस्त्र सीमा बल के अधिकारियों और जवानों ने किया। 10 श्रद्धालु जो भारत से वाल्मीकि आश्रम (नेपाल) दर्शन करने गये थे।दर्शन करने के उपरांत जब श्रद्धालु वापस आ रहे थे, तो अचानक तमसा नदी में तेज बहाव के साथ पानी का स्तर में वृद्धि हो गई, जिससे सभी श्रद्धालु नदी में फंस गए। सूचना पर एसएसबी 21 वी वाहिनी एफ- समवाए के समवाय प्रभारी को सूचना प्राप्त होते ही तत्परता दिखाते हुए अपने बलकर्मियों के साथ नदी के पास पहुंच अदम्य साहस ,धैर्य ,कुशलता का परिचय देते हुए मानव श्रृंखला बनाकर उपलब्ध संसाधन का प्रयोग करते हुए सभी 10 श्रद्धालू को, जिसमे आठ पुरूष और दो महिला को सकुशल तमसा नदी से बाहर निकाल लिया गया। इसके उपरांत सभी श्रद्धालु अपने- अपने गंतव्य को प्रस्थान कर गए। सभी श्रद्धालुओं ने 21वीं वाहिनी एफ समवाय स. सी. ब. के कार्मिकों को धन्यवाद दिया । 21 वीं वाहिनी एसएसबी की एक समवाय यहां भारत नेपाल सीमा पर वाल्मीकि आश्रम के नजदीक तैनात रहती है एवं हर पल सहायता हेतु तत्पर रहती है। इससे पहले भी विगत दिनों एसएसबी के बलकार्मिको ने इस नदी से 69 श्रद्धालु को रेस्क्यू किया था। बरसात के मौसम के वजह से नदी का पानी बढ़-घट रहा है,जिसके कारण दर्शनार्थ आए श्रद्धालुओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।नदी के तेज बहाव में फंसे श्रद्धालुओं में तुषार गुप्ता के साथ 04 श्रद्धालु महराजगंज उत्तर प्रदेश तथा राहुल कुमार रजक के साथ 04 वाल्मीकिनगर के थे।

संक्षिप्त समाचार

राकेश सिंह उर्फ सुभाष सिंह हत्या कांड का फरार मुख्य आरोपित हैदराबाद से गिरफ्तार

बीएनएम। पकड़ीदयाल। गुजरौल में युवक की हत्या का फरार आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने हत्या के आरोपित को हैदराबाद से गिरफ्तार कर लिया गया है। मालूम है कि 8 तारीख की संध्या में पताही थाना अंतर्गत ग्राम गुजरौल निवासी राकेश सिंह उर्फ सुभाष सिंह उम्र लगभग 45 वर्ष पिता स्वर्गीय रामकृत सिंह की हत्या गुजरौल बड़ी पुल के पास धारदार हथियार से गर्दन सिना पर गंभीर वार कर हत्या कर दी गई थी। जिस संबंध में पताही थाना कांड संख्या - 195/24 दिनांक 10 तारीख को दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। उक्त कांड के गंभीरता एवं संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के द्वारा कांड के त्वरित उद्भेदन गिरफ्तारी हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया गया। थानाध्यक्ष पताही एवं संजय चौधरी के द्वारा घटनास्थल के आस पास मौजूद एवं आसूचना के आधार पर इस घटना में संलिप्त अभियुक्त सोनेलाल साह पिता स्वर्गीय जतन साह गुजरौल थाना पताही को तारीख 17-8-2024 को हैदराबाद के सायबराबाद कामिश नर के थाना जगार गिरी गुड्डा के सहयोग से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ के क्रम में इस घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया गया है कि कबाड़ी का धंधा करने के क्रम में एक छोटा गैस सिलिंडर को लेकर मृतक राकेश सिंह से घटना के कुछ दिन पहले से विवाद चल रहा था। घटना के दिन इसी बात को लेकर गुजरौल बड़ी पुल के पास मारपीट के क्रम में अभियुक्त के द्वारा धारदार दाब से गंभीर वार कर मृतक का हत्या किया गया। अभियुक्त के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लोहे का धारदार दाब को एकलव्य स्कूल के पीछे हरदेव माझी के घर के पश्चिम बांसवारी से बरामद किया गया है।

ससुराल में दामाद की पीट पिट कर हुई हत्या, ससुराल वाले फरार

शादी के बाद से दामाद ससुराल में ही रहता था

बीएनएम। सुगौली। थाना क्षेत्र के सुगांव में अपने ससुराल में रह रहे दामाद की हत्या कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक ससुराल वालों ने ही अपने दामाद की पीट-पीटकर कर मार डाला है।मृतक गोपाल साह के ससुर का नाम गौरी साह बताया जाता है।मृतक गोपाल साह का विवाह वर्ष 2019मे सुगांव निवासी गौरी साह की पुत्री से हुई थी। विवाह के बाद गोपाल साह अपने ससुराल में ही रहता था। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु मोतीहारी भेज दिया है। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस घटनास्थल की जांच कर रही है।

रामगढ़वा से 30 तीर्थ यात्रियों का निकला दल, देश के कोने कोने में लहराएंगे धर्म का ध्वज

बीएनएम। रामगढ़वा ।

प्रखंड प्रमुख रीता देवी ने तीर्थ यात्रियों को अंग वस्त्र भेंट किया और कहा धर्मो रक्षति रक्षितः। तीर्थयात्रियों का यह दल रामगढ़वा से देश के कोने कोने में धर्म का ध्वज लहराएगा। इन यात्रीयो को प्रमुख ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया और बोतलों में पानी और लस्सी भी दिया। रामगढ़वा प्रखंड क्षेत्र के बाजार एवं ग्रामीण क्षेत्र से तीस की संख्या में तीर्थ यात्रियों का दल19 दिनों के प्रवास में निकला है। एक साथ बड़ी संख्या में तीर्थ यात्री निकले हैं। सबसे पहले कोलकाता के काली मंदिर के दर्शन से शुरुआत की जाएगी और देश के महाकालेश्वर, उज्जैन, कोयम्बटूर इत्यादि सभी तीर्थ स्थलों का भ्रमण किया जाएगा। इस यात्रा को देखने के लिए लोगों में भारी उत्सुकता रही। तीर्थ यात्रा में शामिल सामाजिक कार्यकर्ता अभय गुप्ता ने बताया कि इस दल में मुख्य रूप से रघुनाथ साह, संजय पाण्डेय, रामसूरत शर्मा, अर्जुन ठाकुर, रामबाबू प्रसाद, दोनों बीरेंद्र प्रसाद लाई वाले व होटल वाले, रमण गुप्ता, रामजीवन साह, मुन्ना कुमार, रवि कुमार, कृष्ण प्रसाद, अजय मिश्रा ब्रह्मचारी, समिति सदस्य गीता देवी, शीला देवी, लालमति देवी, नैना देवी, गायत्री देवी, राधिका देवी, शोभा देवी, चिंता देवी, उषा देवी इत्यादि तीर्थ यात्रा पर निकले हैं। उन्होंने कहा कि तीर्थ यात्रियों को यात्रा प्रारंभ करने के दौरान इनको प्रखंड प्रमुख रीता देवी के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने स्टेशन पर आकर अंग वस्त्र भेट किया गया और सम्मानित किया गया। यह रामगढ़वा के लिए एक नई परंपरा है। इससे तीर्थ यात्रियों का मनोबल काफी बढ़ा है। तीर्थ यात्रीयो को सम्मानित करने के मौके पर प्रखंड प्रमुख रीता देवी के साथ उनके पति विशाल गुप्ता, अमित कुमार, आनंद कुमार, शिक्षक एवं कपड़ा दुकानदार जय नारायण शर्मा, नीतीश कुमार, आनंद कुमार, ज्वाला कुमार एवं अन्य भारी संख्या में लोगों की मौजूदगी रही।

मतदाता सूची अपडेट करने को लेकर सात सितंबर तक होगा हाउस टू हाउस सर्वेक्षण

बीएनएम। केसरिया

प्रखण्ड सभागार में मंगलवार को बीडीओ मनीष कुमार सिंह की अध्यक्षता में क्षेत्र के बीएलओ के साथ बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मतदाता सूची अपडेट करने को लेकर हाउस टू हाउस सर्वेक्षण करने से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। बीडीओ ने संबंधित बीएलओ को निदेशित करते हुए कहा कि घर-घर जाकर मतदाताओं की धरातल पर स्थिति जानें। उस परिवार में यदि मतदाता बनने की अहर्ता रखने वाले कोई व्यक्ति हैं तो उनका मतदाता सूची में नाम जोड़ने की कार्रवाई करें। मृत मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से विलोपित करने व पुराने मतदाताओं में सुधार करने को लेकर भी कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। इस कार्य में लापरवाही नहीं बरते। उन्होंने कहा कि इस कार्य को 20 अगस्त से शुरू किया गया है जो सात सितंबर तक किया जाएगा। बैठक में बीएलओ पर्यवेक्षक लालबाबू राम, बीएलओ रूपेश कुमार, विनय कुमार, विश्वनाथ प्रसाद यादव, अखिलेश कुमार ठाकुर, आलम महम्मद, अनीश कुमार, रूपन पासवान, सोमेश्वर प्रसाद सहित अन्य मौजूद थे।

ग्राम सभा आयोजित कर भूमि सर्वेक्षण के बारे में दी गई जानकारी

बीएनएम। केसरिया। अमृतेश कुमार ठाकुर

- रैयतों को तीन प्रति में देना होगा कागजात
- भूमि सर्वेक्षण पूरी तरह होगा डिजिटल

राज्य में भूमि सर्वेक्षण का कार्य शुरू हो गया है। इस कार्य के प्रथम चरण में तिथिवार ग्राम सभा आयोजित कर रैयतों को विशेष सर्वेक्षण से संबंधित आवश्यक जानकारी दी जा रही है। केसरिया अंचल क्षेत्र में भी इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसको लेकर मंगलवार को अंचल क्षेत्र के ताजपुर पटखौलिया पंचायत के लाला छापरा स्थित हरिओम बाबा मठ परिसर में मुखिया भोला कुमार की अध्यक्षता में ग्राम सभा आयोजित कर लोगों को भूमि सर्वे कराने से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। ग्राम सभा में मौजूद विशेष सर्वेक्षण अमीन प्रभात निश्चल, शुभम कुमार व ब्रजेश कुमार पाल ने उपस्थित सभी रैयतों से विशेष सर्वेक्षण में सहयोग करने व सहभागिता देने की अपील की। बताया गया कि सर्वे कराने के लिए रैयतों को भूमि स्वामित्व से संबंधित कागजात यथा खतियान (वंशावली सहित), दस्तावेज के अलावा आधार कार्ड आदि प्रस्तुत करना होगा। इस सभी कागजातों की छायाप्रति तीन प्रति में फॉर्म के साथ अंचल क्षेत्र में आयोजित होने वाले विशेष शिविर में जमा कराना होगा। जिसके बाद रैयतों द्वारा दिये गए जानकारी के अनुसार भूमि की धरातल पर जाँच की जाएगी। जाँच के समय रैयत को अपने प्लॉट पर रहकर सीमांकन बताना होगा। जिसके बाद संबंधित भूमि का सर्वे किया जाएगा। विशेष सर्वेक्षण अमीन द्वारा बताया गया कि यह भूमि सर्वेक्षण पूरी तरह से डिजिटल होगा। मौके पर सरपंच मोहन दास, पूर्व मुखिया सूर्य पासवान, वार्ड सदस्य मोतीलाल साह, सहेंद्र प्रसाद यादव, रामबली पासवान, गोपालजी श्रीवास्तव, सुखदेव साह, विनोद गुप्ता, मो साहेबजान, शमशाद आलम, अविनाश कुमार, रंजन कुमार, उमेश पासवान, अरुण कुमार यादव, विक्की श्रीवास्तव सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

चिंतन मनन

नर या नारायण कौन थे राम

श्रीराम पूर्णतः ईश्वर हैं। भगवान हैं। साथ ही पूर्ण मानव भी हैं। उनके लीला चरित्र में जहां एक ओर ईश्वरत्व का वैचित्रमय लीला विन्यास है, वहीं दूसरी ओर मानवता का प्रकाश भी है। विश्वव्यापिनी विशाल यशकीर्ति के साथ सम्यक निरभिमानिता है। वज्रवत न्याय कठोरता के साथ पुष्पवत प्रेमकोमलता है। अनंत कर्ममय जीवन के साथ संपूर्ण वैराग्य और उपरति है। समस्त निषमताओं के साथ नित्य सहज समता है। अनंत वीरता के साथ मनमोहक नित्य सौंदर्य है। इस प्रकार असंख्य परस्पर विरोधी गुणों और भावों का समन्वय है। भगवान श्री राम की लीला चरित्रों का श्रद्धा भक्ति के साथ चिंतन, अध्ययन व विचार करने पर साधारण नर नारी भी सर्वगुण समन्वित एवं सर्वगुण रहित अखिल विश्व व्यापी, सर्वातीत, सर्वमय श्रीराम को अपने निकटस्थ अनुभव कर सकते हैं। श्री राम में नर और नारायण तथा मानव और ईश्वर की दूरी मिटाकर भगवान के नित्य परिपूर्ण स्वरूप का परिचय मिलता है। भगवान पुरुषोत्तम ने श्री राम के रूप में प्रकट होकर मानवीय रूप में सांसारिक लोगों के दिलो दिमाग पर नित्य प्रभुत्व की प्रतिष्ठा कर समस्त भारतीय संस्कृति को आध्यात्म भाव से ओतप्रोत कर दिया है। रामचरितमानस महाकवि तुलसीदास की अमर कृति है। यह एक ऐसा सर्वोपयोगी आदर्श प्रदर्शित करने वाला पवित्र धर्मग्रंथ है। जिसने मर्यादा पुरुषोतम भगवान श्रीराम को समस्त नर नारियों के हृदय में परम देवत्व रूप के साथ अत्यंत आत्मीय रूप में प्रतिष्ठात किया है।

मथुरा में कृष्ण नाम की लूट है लूट सके तो लूट!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

द्वापर युग के महानायक भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली देखने और अपने कान्हा के साथ साथ राधा रानी के बरसाना जाने की मेरी पत्नी सुनीता की वर्षो से इच्छा थी,लेकिन कभी ऐसा अवसर नही आया था कि वहां जाकर भक्ति की नगरी में कृष्णमय हुआ जा सके। अचानक मेरे भांजे दिनेश जो पुलिस विभाग में इंस्पेक्टर रहे है,के द्वारा वृंदावन में एक गेस्ट हाउस बनाने व उसके लिए मुहर्त अवसर पर आमंत्रण का सौभाग्य मिला तो मुझे लगा यह एक बेहतर अवसर है कान्हा के घर जाने का। मैंने बिना देरी किये मथुरा में डाक विभाग के एसएसपी रहे अपने मित्र अरविंद शर्मा को साथ चलने के लिए तैयार किया और हम 17 अगस्त की सुबह नन्दादेवी एक्सप्रेस से जा पहुंचे रुड़की से मथुरा। ट्रेन से उतरते ही रेलड़ाक सेवा के गेस्टहाउस पहुंचकर थोड़ा आराम किया और फिर हल्का नाश्ता करने के बाद सीधे श्रीकृष्ण जन्मस्थली जा पहुंचे। चूंकि यहां एक बार पहले भी आ चुका हूं इसलिए दर्शन में सुगमता रही। मेरी पत्नी सुनीता का मन पहले द्वारकाधीश मंदिर जाने का था लेकिन जैसा पिछली बार मेरे साथ हुआ वैसा ही संयोग इस बार भी हुआ,ऑटो वाले ने कहा,पहले श्रीकृष्ण जन्मस्थली चलो वह निकट है फिर वहां से द्वारकाधीश चलना। हमे उसकी बात उचित लगी और हम पहुंच गए श्रीकृष्ण जन्मस्थली, जहां भारी पुलिस सुरक्षा के बीच श्रद्धालुओ के मोबाइल ,कैमरे बाहर ही रखवा दिए जाते है। दो दो बार तलाशी लेकर ही जन्म स्थान पर जाने दिया जाता है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान का मुखद्वार बहुत सुंदर कलाकृतियों से बना है। द्वार पर दोनो तरफ द्वारपाल की प्रतिमाएं लगी है। हमने कन्हैया के जन्मस्थान पर बने उस विराट भव्य मन्दिर के दर्शन किये, जिसे जन्माष्टमी पर टेलीविजन पर पूरी दुनिया लाइव देखती है, फिर गर्भ गृह जाकर वह जेलनुमा गुफा देखी जहां देवकी ने कन्हैया को जन्म दिया था। आज भी वह स्थान किसी कालकोठरी से कम नही लगता। चूँकि कान्हा वहाँ जन्मे थे, इसलिए जेल की कालकोठरी भी श्रद्धा भाव का प्रतीक बन गई। श्रीकृष्ण जन्म स्थान रूपी इस विराट व भव्य परिसर मे कई अन्य मन्दिर है और कृष्ण चबूतरा भी बना हुआ है। जन्म स्थान की दीवार से सटी एक मस्जिद है। जन्मस्थली पर लेजर शो के माध्यम से जहां कृष्ण महिमा दिखाई जाती है वही भव्य झांकियो के Circle कृष्ण लीला के दर्शन होते है। हमने भी श्रद्धाभाव के साथ कान्हा के दर्शन किए और फिर अगले पड़ाव श्री द्वारकाधिश्वर मन्दिर जाकर राजा के रूप में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए , पास ही बह रही यमुना जी श्रीकृष्ण लीला की प्रत्यक्ष साक्षी नजर आती है। मथुरा में हम जहां जहां भी गए वही वही जय श्रीकृष्णा - राधे राधे के उद्बोधन की गूंज से मन को अच्छा लगा । भक्ति की इस नगरी मे एक बार जाने के बाद बार बार जाने और कन्हैया की याद मे खो जाने की ललक ही मथुरा को जीवन्त बनाये हुए है। वास्तव में योगिराज श्रीकृष्ण सोलह कला सम्पन्न देवता है, जिन्होंने अपनी सर्वगुण सम्पन्नता महाविकारी व अत्याचारी शासक कंस का वध किया और महाभारत युद्ध के समय श्रीमद् भागवत गीता के उदभव के निमित्त बने। श्रीमद् भागवत स्वयं परमात्मा का सन्देश है जो अर्जुन को धर्म की रक्षा के लिए दिया गया। श्रीकृष्ण का पूर्ण आभामण्डल ही हर किसी को लुभाता रहा है। उनका मनमोहक स्वरूप,उनकी गीत संगीत से ओत प्रोत ज्ञान मुरली,उनकी प्राकृतिक आपदा के समय गोवर्धन पर्वत के माध्यम से जनसामान्य की मदद करने की घटना व गरीब मित्र सुदामा का अपने राजमहल मे दिव्य व भव्य अतिथि सत्कार कर श्रीकृष्ण सबके दिलो में बस गए । तभी तो कही लड्डू गोपाल

के रूप मे तो कही नटखट गोपाल के रूप मे,कही घनश्याम के रूप मे तो कही कन्हैया के रूप मे श्री कृष्ण विभिन्न कला दिखाते हुए नजर आते है। श्रीकृष्ण जी महाराज जिसे पौराणिकों ने लीलाधर, रसिक, गोपी प्रेमी, कपड़े चोर, माखन चोर और न जाने क्या-क्या लिखा गया। जिससे श्रीकृष्ण की छवि प्रभावित भी हुई। योगिराज श्रीकृष्ण की 16 हजार गोपियाँ दर्शाई गई, वे छिपकर कपडे चुराने जाया करते थे, गीत बना दिए कि मनिहार का वेश बनाया श्याम चूड़ी बेचने आया, अश्लील कथा जोड़ दी कि उनके आगे पीछे करोड़ो स्त्रियाँ नाचती थी वो रासलीला रचाते थे। ऐसी स्थिति में श्री कृष्ण को समझना बहुत आवश्यक है। श्रीकृष्ण महाभारत में एक पात्र है जिनका वर्णन सबने अपने-अपने तरीके से किया है। सूरदास ने कृष्ण को बचपन से बाहर नही आने दिया, सूरदास के कृष्ण कभी बच्चे से बड़े नहीं हो पाते है। रहीम और रसखान ने उनके साथ गोपियाँ जोड़ दी, इन लोगों ने वो कृष्ण नही दिखाया जो शुभ को बचाना, अशुभ को छोड़ना सिखाता था। कृष्ण की बांसुरी में सिवाय ध्यान और आनंद के और कुछ भी नहीं था पर मीरा के भजन में दुख खड़े हो ,गये पीड़ा खड़ी हो गयी। हजारों सालों तक कृष्ण के जीवन को हर किसी ने अपने अपने तरीके से प्रस्तुत किया। कृष्ण का असली चरित्र जो वीरता का चरित्र था जो साहस का था। जो ज्ञान का था जो नीति का था जिसमें युद्ध की कला थी वो सब हटा दिया। स्वामी दयानंद आये उन्होंने हमारे सामने कृष्ण के शब्दों को रखा हमें बताया कि हम लड़ तो रहे पर अपने लिए नहीं अपितु दुसरे के लिए लड़ रहे है, उठो लड़ो अपने लिए लड़ो। योगिराज की नीति उनकी युद्ध कला को समझाया। अर्जुन नाम मनुष्य का है कृष्ण नाम चेतना का है जो सोई चेतना को जगा दे उसी जाग्रत चेतना का नाम कृष्ण है। जो अपने धर्म व देश के प्रति आत्मा को जगा दे उसी का नाम कृष्ण है। कृष्ण को पुराणों के चश्मे से नहीं समझा जा सकता। क्योकि वहां सिवाय मक्खन और चोरी के आरोपों के अलावा कुछ नहीं मिलेगा। मन्दिरों में नाचने से कृष्ण को नहीं पाया जा सकता। उसके लिए अर्जुन बनना पड़ेगा तभी कृष्ण को समझा जा सकता है। यह सत्य है कृष्ण जैसा कोई दूसरा उदहारण फिर पैदा नहीं हुआ। यदि स्त्री जाति के सम्मान की बात आये तो कृष्ण जैसा उदहारण नहीं मिलेगा । कृष्ण ने जरा-सा भी अपमान किसी स्त्री का नहीं किया। योगिराज के महान चरित्र को रासलीला से जोड़ दिया। धर्म की बुनियादों में कृष्ण हमेशा से जीवित है, जिस दिन यह अंधविश्वास के अंधकार का पत्थर हटेगा तब कृष्ण को को पा सकेंगे। मथुरा के अधिकांश लोगो की रोजी-रोटी भगवान श्रीकृष्ण के कारण ही चल रही है। लेकिन तरह से मथुरा के ऑटो रिक्शे वाले,मंदिरों के बाहर जबरन टीका लगाने या फिर मंदिर में सीधे दर्शन कराने के नाम पर लूट खसोट करने वालो से मथुरा की गरिमा प्रभावित हो रही है। चाहे यातायात व्यवस्था हो या फिर मंदिरों में श्रद्धालुओं को व्यवस्थित करने का पुलिस का जिम्मा दोनो ही भगवान भरोसे है। पुलिस सिर्फ मूकदर्शक बन श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ देती है,जो कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। जिसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ध्यान देने की आवश्यकता है। अन्यथा यही कहा जाएगा। कृष्ण नाम की लूट है,लूट सके तो लूट।

जो आप ख़ुद पसंद नहीं करते उसे दूसरों पर भी थोपिए।
कन्फ्यूशियस

स्वतः कुछ नहीं होता सब कुछ करना पड़ता है।
जै. एफ. कैनेडी

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, भाद्र कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि प्रतिपदा, बुधवासरे, शतभिषा नक्षत्रे, सुकर्मा योगे, ववकरणे, मीन की चंद्रमा, तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तमवृत्ति वाला, यागी-भोगी, शासक-प्रशासक, उत्तम वृत्ति वाला, कुशल वाहन चालक, धनी-मानी, वाहन से सुखी, वाहन वाला होगा।

मेष राशि :- कार्य विफलत्व, समय में योजनाएं फलीभूत हों किन्तु लाभ से वंचित अवश्य ही रहेगा।

वृष राशि :- कहीं विस्फोटक स्थित कष्टप्रद हो किन्तु भाग्य का सितारा प्रबल रहे, लाभ अवश्य होगा।

मिथुन राशि :- कुटुम्ब की चिन्तायें मन व्याग्र रखें, आकस्मिक भय अवश्य होगा, ध्यान रखें।

कर्क राशि :- सामाजिक कार्यों में मान-प्रतिष्ठा एवं धन लाभ का योग अवश्य ही बनेगा, ध्यान दें।

सिंह राशि :- धन लाभ, कार्य-कुशलता से संतोष, व्यवसायिक क्षमता अनुकूल अवश्य ही बन जायेगी।

कन्या राशि :- दैनिक कार्यगति मंद, मन में उद्विग्नता बनेगी, रुके कार्यों को पूरा करने में मन लगायेंगे।

तुला राशि :- मानसिक उद्विग्नता बनें, स्वास्थ्य नरम रहेगा, कार्य में संतोष होगा, समय का ध्यान अवश्य रखें।

वृश्चिक राशि :- सफलता के साधन बनें, इष्ट-मित्र फलप्रद एवं सुखवर्धक होंगे, कर्मचारी सहयोग करेंगे।

धनु राशि :- विरोधी तत्व परेशान करेंगे, अनायास बाधा, शरीर कष्ट, बचकर चलने से लाभ होगा।

मकर राशि :- मानसिक बेचैनी, अशांति, तनाव, अधिकारियों से विरोध बनेगा, ध्यान अवश्य रखें।

कुंभ राशि :- लोगों से मेल-मिलाप के पश्चात् कार्य अवरोध तथा बेचैनी अवश्य ही बनेगी।

मीन राशि :- भाग्य का सितारा मंद रहेगा, तनाव-क्लेश व अशांति अवश्य बनेगी, धन का व्यय होगा।

नौकरशाही का पिछवाड़ा यानि लेटरल एंट्री

राकेश अचल

देश में आजकल लेटरल एन्ट्री विवाद का मुद्दा है । ये मुद्दा बंगाल के बलात्कार काण्ड पर भी भारी पड़ गया है।लेटरल एन्ट्री यानि किसी भी सिस्टम में पिछवाड़े से प्रवेश करना कहा जाता है । ये सिस्टम उतना ही पुराना है जितनी मानव सभ्यता। आप यदि थोड़ा सा अन्वेषण करेंगे तो आपको इस पिछवाड़ा प्रवेश के तमाम उदाहरण मिल जाएंगे। लेटरल एन्ट्री एक सुरक्षित उपक्रम है । हमारे यहां घरों से लेकर क़ानून और सियासत में एक न एक लेटरल एन्ट्री गेट होता ही है। और होना भी चाहिए। घरों में लेटरल एन्ट्री आपातकाल के लिए बनाई जाती है। क़ानून में लेटरल एन्ट्री की व्यवस्था बचाव के लिए की गयी है और राजनीति में लेटरल ऐंट्री उन लोगों के लिए की गयी है जो या तो चुनाव नहीं लड़ सकते या फिर हार जाते है । हमारी संसद का उच्च सदन जिसे आप राज्य सभा के रूप में जानते हैं लेटरल एन्ट्री के जरिये ही सजाया जाता है। लेटरल एन्ट्री आखिर लेटरल ऐंन्ट्री है। उस पर सियासत होना भी चाहिए या नहीं ,ये विवाद का एक नया विषय हो सकता है ? ताजा विवाद केंद्र सरकार द्वारा लेटरल एंट्री के जरिये 45 विशेषज्ञों की विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उपसचिव जैसे प्रमुख पदों पर नियुक्ति करने की घोषणा के बाद शुरू हुआ है। संघ लोक सेवा आयोग की सेवाओं में लेटरल एंट्री को लेकर सियासी सरगर्मी शुरू हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लेटरल एंट्री के माध्यम से भर्ती को लेकर केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। खड़गे ने दावा किया कि यह आरक्षण छीनकर संविधान को बदलने का 'भाजपाई चक्रव्यूह' है। इससे पहले भी कांग्रेस ने इस मुद्दे पर सरकार पर निशाना साधा था। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इससे आरक्षण खत्म हो जाएगा । राज्य सभा में लेटरल एन्ट्री का विरोध इसलिए नहीं होता क्योंकि सभी राजनीतिक दल इसका लाभ उठाते हैं लेकिन नौकरशाही में लेटरल एन्ट्री पर हंगामा स्वाभाविक है । इसके जरिये सरकार अपनी पसंद के लोगों को महत्पूर्ण पदों पर विशेषज्ञ बनाकर बैठाती है । ये एक तरह का उपकार भी है और औजार भी । ब्यूरोक्रेसी में लेटरल एंट्री एक ऐसी प्रथा है जिसमें मध्य और वरिष्ठ स्तर के पदों को भरने के लिए पारंपरिक सरकारी सेवा संवर्गों के बाहर से व्यक्तियों की भर्ती की जाती है। नौकरशाही में लेटरल एंट्री औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था, जिसमें 2018 में रिक्तियों के पहले सेट की घोषणा की गई थी। उम्मीदवारों को आमतौर पर प्रदर्शन के आधार पर संभावित विस्तार के साथ तीन से पांच साल तक के अनुबंध पर नियुक्त किया जाता है। इसका उद्देश्य बाहरी विशेषज्ञता का उपयोग करके जटिल शासन और नीति कार्यान्वयन चुनौतियों का समाधान करना है। लेटरल एन्ट्री के दुष्परिणाम हाल हमें हम बांग्लादेश में देख चुके है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सरकार में इसी तरह से सभी महत्वपूर्ण पदों पर अपनी पार्टी के लोगों को न सिर्फ बैठा दिया था बल्कि उनके लिए बाकायदा आरक्षण की व्यवस्था कर दी थी । इसी व्यवस्था के फलस्वरूप बांग्लादेश में तख्ता पलट हो गया। हमारे यहां ऐसा असम्भव है क्योंकि हम सहनशील लोग है। हम अभी तक नीट पेपर लीक काण्ड पर शिक्षा मंत्री नहीं हटा पाए,सरकार तो क्या ख़ाक हटाएंगे ? आई वाश के रूप में परीक्षाएं करने वाली संस्था के एक पदाधिकारी की बलि जरूर ले ली गयी। सत्ता पक्ष अपने फैसले के समर्थन में कांग्रेस की सरकार के समय पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह और मोंटेक सिंह आहलूवालिया की वित्त सचिव और योजना आयोग में की गयी नियुक्तियों का हवाला देती है । दरअसल मै तो इस मुद्दे पर केंद्र की मोदी सरकार का अहसानमंद हूँ कि सरकार लेटरल एन्ट्री के जरिये केवल पांच साल के लिए नियुक्तियां कर रही है ,अन्यथा सरकार चाहती तो उन्हें अगले 35 साल तक के लिए नियुक्त कर सकती थी ,क्योंकि बकौल अमित शाह भाजपा अभी 35 साल और सत्ता में रहने वाली है। मुझे इस बात पर भी आपत्ति है कि कांग्रेस समेत तमाम विपक्ष लेटरल एन्ट्री के मुद्दे पर सारी लड़ाई एक्स [x] पर लड़ रही है जबकि ये लड़ाई सोशल मीडिया पर नहीं, सड़क और अदालतों में लड़ी जाना चाहिए। जनता को यदि ये फैसला गलत लगता है तो जनता को अर्थात नौजवानों को ये लड़ाई अपने हाथ में लेना चाहिए ,क्योंकि राजनीतिक दल इस लड़ाई के पात्र नहीं है। वे सब एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। अगर लेटरल एन्ट्री खराब व्यवस्था है तो इसे अदालत में भी चुनौती दी जाना चाहिए ,अन्यथा तिल का ताड़ बनाने का कोई लाभ नहीं है।

बलात्कार की बढ़ती घटनाएं चिंताजनक

मुस्ताअली बोहरा

ये कैसी विडम्बना है कि जहां एक तरफ लाल किले की प्राचीर से देश में न्यायिक सुधार, 2047 में विकसित भारत और महिलाओं के खिलाफ अपराध में सजा की बात की जा रही थी तो दूसरी तरफ देश की बेटियां न्याय की मांग करते हुए आंदोलन कर रहीं थी। जश्न-ए-आजादी के बीच महिलाओं का ये आंदोलन कई सवाल खड़े कर रहा है कि आखिर कब तक इसी तरह बलात्कार होते रहेंगे, कब तक ऐसे दरिंदे खुलेआम घूमते रहेंगे, कब तक महिला सुरक्षा को लेकर जबानी जमा खर्च होता रहेगा। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में लेडी डॉक्टर के साथ हुई दरिंदगी ने हर किसी झकझोर दिया है। इसको लेकर देश भर गुस्सा है। विपक्ष से लेकर सेलिब्रिटीज, राजनेता और आम आदमी हर किसी के जहन में यही सवाल है कि आखिर आजादी के इतने बरसों बाद भी महिलाएं सुरक्षित और आजाद क्यों नहीं हैं। कोलकाता के रेप-मर्डर मामले की जांच अब सीबीआई के हाथों में है। आपराधिक आंकड़ों पर गौर किया जाए तो पता चलता है कि देश में बलात्कार चैथा सबसे आम अपराध है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2019 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार देश भर में 32033 बलात्कार के मामले दर्ज किए गए थे या ये भी कहा जा सकता है कि हर रोज औसतन 88 मामले दर्ज हुए। इसके अलावा नाबालिगों के साथ उत्पीड़न और बलात्कार की घटनाएं भी सामने आतीं रहतीं हैं। ब्यूरो की इन आंकड़ों से जाहिर है बलात्कार की घटनाएं कम नहीं हुईं हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य राज्यों में भी बलात्कार की घटनाओं के आंकड़े चिंताजनक हैं। खैर, कोलकाता की घटना के बाद एक फिर डॉक्टर आंदोलित हैं और हड़ताल पर चले गए हैं। इन डॉक्टरो को देश के अन्य राज्यों के डॉक्टरो का भी समर्थन मिल रहा है। कोलकाता में डॉक्टरों की हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित हो रहीं हैं। डॉक्टरो का कहना है कि उन्हें माकूल सुरक्षा उपलब्ध करवाई जाए। सभी अस्पतालों में डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। मृतक डॉक्टर के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए और इस मामले में जल्द से जल्द न्याय हो। हड़ताली डॉक्टरों की एक प्रमुख मांग यह है कि हेल्थकेयर वर्कर्स की सुरक्षा के लिए देश में एक नया केंद्रीय कानून या सेंट्रल हेल्थकेयर प्रोटेक्शन एक्ट बनाया जाए। साथ ही इस घटना की निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी सख्त कदम उठाए जाने की बात कही है। देश भर के डॉक्टर कोलकाता के डॉक्टरों के साथ एकजुटता दिखा रहे

हैं। डॉक्टरो की चिंता बेवजह नहीं है। हालांकि, जहां तक केंद्रीय कानून की मांग है तो पहले ये देखना होगा कि क्या बलात्कार की इस तरह की घटनाओं के पीछे कानून का कमजोर होना है या फिर किसी कड़े कानून की कमी इसकी वजह है। वैसे, ज्यादातर राज्यों में मेडिकेयर सर्विस पर्सन्स एंड मेडिकेयर सर्विस इंस्टिट्यूशंस (प्रिवेंशन ऑफ वॉयलेंस एंड डैमेज-लॉस टु प्रॉपर्टी) एक्ट पहले से ही लागू है। मगर इन राज्यों में भी इसके तहत दर्ज मामलों में दस फीसदी ही आरोप तय होने के बाद अदालत पहुंच सके। तो ये माना जा सकता है कि असल समस्या कानून की कमी नहीं बल्कि उस पर सख्ती से अमल है। बहरहाल, अस्पताल में लेडी डॉक्टर ही नहीं बल्कि पुरूष डॉक्टर, नर्सिंग स्टॉफ और दिगर स्वास्थ्य कर्मी भी हमलों का शिकार होते रहते हैं। बात सिर्फ यहीं तक नहीं हैं अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा भी बड़ा मसला है। अस्पतालों में भर्ती महिला मरीजों भी यौन हमलों की खबरें आतीं रहतीं हैं। देश में शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों को लेकर व्यापक जरूरी कदम उठाए जाने की जरूरत है। मंहगी शिक्षा और मंहगी दवाएं तथा अस्पतालों में इलाज और जांच के नाम पर होने वाला खर्च भी चर्चा का विषय है। कतिपय अस्पतालों में मेडिसिन और सर्जिकल आइटम की सप्लाई के गोरखधंधे, कमीशनखोरी, और इससे जुड़े रैकेट के सक्रिय होने की बात तो सब जानते हैं लेकिन कोलकाता के इस मामले में सेक्स रैकेट और ड्रग्स का एंगल भी सामने आया है। बहरहाल, सीबीआई जांच के बाद और भी चैकाने वाले खुलासे हो सकते हैं लेकिन इस मामले को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। डॉक्टरो पर हमलों के साथ ही मरीजों पर भी वित्तीय हमलों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाया जाना जरूरी है।

धीमा न्याय निर्भयाओं को कर रहा कमजोर

प्रियंका सौरभ

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में हुए शर्म से डुबो देने वाले हौलनाक कांड ने कई तरह के सवाल पैदा किए हैं। कार्यस्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाली घटनाओं को रोकने के तमाम प्रयासों के बीच मेडिकल स्टूडेंट (ट्रेनी लेडी डॉक्टर) की रेप के बाद की गई हत्या से सारे देश में उबाल है। ऐसे मामलों में धीमी न्याय प्रक्रिया भी निर्भयाओं के हौसले को कमजोर करती है। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम (2013) जैसे प्रगतिशील कानूनों के अस्तित्व के बावजूद, निगरानी , जवाबदेही और संस्थागत समर्थन की कमी के कारण उनका कार्यान्वयन कमजोर बना हुआ है। राष्ट्रीय महिला आयोग के एक अध्ययन में पाया गया कि कई कार्यस्थलों में आंतरिक शिकायत समितियों का अभाव है , जो यौन उत्पीड़न अधिनियम को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। संस्थाओं के भीतर भ्रष्टाचार, हिंसा के पीड़ितों के लिए न्याय में बाधा उत्पन्न कर सकता है तथा प्रभावशाली अपराधी अकसर रिश्वत या राजनीतिक संबंधों के माध्यम से कानूनी परिणामों से बच निकलते हैं। कई कानून प्रवर्तन अधिकारियों और न्यायिक कर्मियों में लैंगिक मुद्दों पर पर्याप्त प्रशिक्षण और संवेदनशीलता का अभाव है, जिसके कारण पीड़ित को ही दोषी ठहराने की प्रवृत्ति पैदा होती है और महिलाओं के खिलाफ हिंसा से संबंधित मामलों का अनुचित तरीके से निपटारा होता है। पुरुषों के वर्चस्व और महिलाओं पर नियंत्रण को प्राथमिकता देने वाले पितृसत्तात्मक मानदंड ,महिलाओं के खिलाफ हिंसा के जारी रहने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। ये मानदंड अकसर अपमानजनक व्यवहार को उचित ठहराते हैं या कम करते हैं, परिवार के पुरुष सदस्यों पर आर्थिक निर्भरता अक्सर महिलाओं को हिंसा सहने के लिए मजबूर करती है, क्योंकि अपमानजनक स्थिति से बाहर निकलने पर वित्तीय अस्थिरता या अभाव हो सकता है। विशेषकर यौन हिंसा के पीड़ितों को अकसर सामाजिक कलंक और बहिष्कार का सामना करना पड़ता है, जो उन्हें अपराधों की रिपोर्ट करने या न्याय मांगने से हतोत्साहित करता है। मीडिया में महिलाओं और हिंसा के बारे में प्रस्तुतीकरण अक्सर मामलों को सनसनीखेज बना देता है, कभी-कभी मुद्दे की गंभीरता को कमतर आंकता है या पीड़ितों के बारे में नकारात्मक रूढ़िवादिता को मजबूत करता है। विशेष रूप से यौन हिंसा की रिपोर्टिंग से होने वाले रुढ़िवादी सांस्कृतिक कलंक के कारण कम रिपोर्टिंग होती है, जिससे महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों के प्रवर्तन में बाधा आती है। यौन हिंसा की अनुमानित घटनाओं और रिपोर्ट किए गए मामलों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर दिखाता है, जो रिपोर्टिंग में सांस्कृतिक बाधाओं को उजागर करता है। अपर्याप्त फंडिंग और स्टाफिंग सहित संस्थागत संसाधन की कमी , कानून प्रवर्तन एजेंसियों की कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने और महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों का जवाब देने की क्षमता को सीमित करती है। कई पुलिस स्टेशनों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों को संभालने के लिए समर्पित महिला अधिकारियों या विशेष प्रकोष्ठों की कमी है , जिसके कारण मामले को ठीक से नहीं निपटा जा पाता है। राजनीतिक प्रभाव और भ्रष्टाचार के कारण अकसर कानूनों का चयनात्मक प्रवर्तन होता है , जहां शक्तिशाली व्यक्तियों से जुड़े मामलों को या तो दबा दिया जाता है या खराब तरीके से जांच की जाती है। महिलाओं में कानूनी जागरुकता की कमी, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, न्याय पाने की उनकी क्षमता को सीमित करती है और इसके परिणामस्वरूप उन्हें बचाने के लिए बनाए गए कानूनों का कम उपयोग होता है। कई महिलाएं महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम 2005 जैसे कानूनों के तहत अपने अधिकारों से अनजान हैं , जिसके कारण रिपोर्ट करने और कानूनी सहारा लेने की दर कम है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए कानूनों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण , संवेदनशीलता और संसाधन आवंटन के माध्यम से कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता को बढ़ाना महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए: पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो द्वारा आयोजित पुलिस अधिकारियों के लिए नियमित लिंग संवेदनशीलता प्रशिक्षण कार्यक्रम , महिलाओं के खिलाफ हिंसा से संबंधित मामलों से निपटने में सुधार कर सकते हैं। व्यावसायिक प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर प्रदान करने जैसी आर्थिक सशक्तिकरण पहल , महिलाओं की अपमानजनक रिश्तों पर निर्भरता को कम कर सकती है और उन्हें अपने अधिकारों का दावा करने में सक्षम बना सकती है। सरकार और नागरिक समाज संगठनों को महिलाओं के बीच कानूनी साक्षरता बढ़ाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, ताकि वे अपने अधिकारों और उनके लिए उपलब्ध कानूनी रास्तों के बारे में जागरूक हों। महिला अधिकार पहल जैसे गैर सरकारी संगठनों द्वारा आयोजित कानूनी जागरुकता शिविर महिलाओं को घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम 2005 जैसे कानूनों के बारे में शिक्षित करने में मदद करते हैं । सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम जो पितृसत्तात्मक मानदंडों को चुनौती देते हैं और लैंगिक समानता को बढ़ावा देते हैं , एक सांस्कृतिक बदलाव ला सकते हैं जो महिलाओं के खिलाफ हिंसा को हतोत्साहित करता है। संस्थानों के अंतर्गत मजबूत निगरानी और जवाबदेही तंत्र स्थापित करने से यह सुनिश्चित हो सकता है कि कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और किसी भी चूक को तुरंत संबोधित किया जाए। कार्यस्थलों पर आंतरिक शिकायत समितियों की स्थापना , जैसा कि कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 द्वारा अनिवार्य है , अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए नियमित ऑडिट के साथ, कानून की प्रभावशीलता में सुधार कर सकता है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मुद्दे को संबोधित करने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो संस्थागत और सामाजिक दोनों कारकों से निपटता है। कानून प्रवर्तन को मजबूत करना, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और सांस्कृतिक परिवर्तन को बढ़ावा देना महिलाओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने की दिशा में आवश्यक कदम हैं । सरकार, नागरिक समाज और समुदायों के ठोस प्रयासों से, भारत एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ सकता है जहां महिलाएं भय और हिंसा से मुक्त रहें , उनके अधिकार और सम्मान पूरी तरह सुरक्षित हों ।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

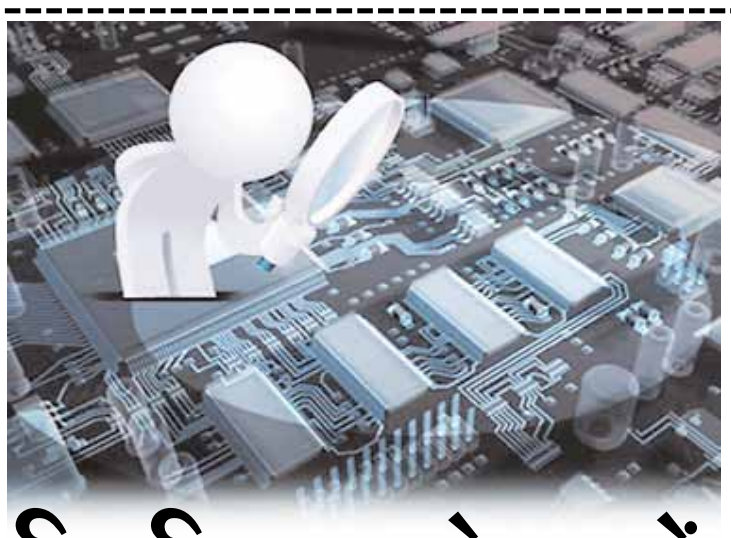

चिप डिजाइनर के रूप में अपना करियर करें डिजाइन

टेक्नोलॉजी ने जहां लोगों के जीवन को सरल और आधुनिक बना दिया है, वहीं टेक्नोलॉजी के कई क्षेत्रों में करियर के शानदार विकल्प भी उभर कर सामने आए हैं। टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में जो प्रगति हुई है उसमें चिप डिजाइनिंग इंडस्ट्री ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अगर आप भी इंजीनियरिंग में रूचि रखते हैं और साथ ही चैलेंजिंग काम करना चाहते हैं तो चिप डिजाइनिंग में करियर बना सकते हैं। चिप सिलिकॉन का एक छोटा और पतला टुकड़ा होता है जो मशीनों के लिए इंटीग्रेटेड सर्किट बेस का काम करता है। चिप डिजाइनिंग की मदद से बड़े आकार के उपकरणों को भी छोटे आकार में बदला जा सकता है।

बढ़ रही है डिमांड

चिप डिजाइन के रूप में आप एक सुनहरा करियर बना सकते हैं। इसकी हर सेक्टर में मांग है। एक चिप डिजाइनर का मुख्य काम छोटी-बड़ी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस की कार्यक्षमता को बढ़ाना और उसे आसान बनाना है। मोबाइल, टीवी रिमोट से लेकर कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल सेक्टर तक में चिप का इस्तेमाल हो रहा है। आप इस इंडस्ट्री से डिजाइन इंजीनियर, प्रोडक्ट इंजीनियर, टेस्ट इंजीनियर, सिस्टम्स इंजीनियर, प्रॉसेस इंजीनियर, पैकेजिंग इंजीनियर, सीएडी इंजीनियर आदि के रूप में जुड सकते हैं।

योग्यता

चिप डिजानिंग में करियर बनाने के लिए आपके पास इलेक्ट्रॉनिक्स, टेली कम्यूनिकेशन या कम्प्यूटर साइंस में बीई या बीटेक डिग्री होना चाहिए। चिप डिजाइनिंग इंडस्ट्री में विशेष रूप से डिजाइन, प्रोडक्शन, टेस्टिंग, एप्लीकेशंस और प्रॉसेस इंजीनियरिंग शामिल होता है। वैसे इस क्षेत्र में कुछ संस्थानों द्वारा शॉर्ट टर्मकोर्सेस भी कराए जाते हैं, जिनका संबंध आईसी, सर्किट डिजाइन और माइक्रो प्रोसेसर से होता है।

जरूरी स्किल्स

इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं को हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का नॉलेज होना जरूरी है। इसके अलावा अच्छी कम्यूनिकेशन स्किल्स, टीम वर्क, प्रॉब्लम सॉल्विंग एटिट्यूड बहुत जरूरी है। प्रोग्रामिंग और मैथमेटिकल स्किल्स बहुत जरूरी है। इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं को टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट्स और लेटेस्ट इनोवेशन का ज्ञान होना जरूरी है।

प्रमुख संस्थान

- बिटमैपर इंट्रीगेशन टेक्नोलजी, पुणे, महाराष्ट्र
- सेंट्रल फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांसड कंप्यूटिंग, बेंगलूर
- जामिया मिलीया इस्लामिया, नई दिल्ली

आजकल हर एम्प्लॉयर ऐसे उम्मीदवार तलाशता है, जो पहले से टेक्नो-स्किल रखते हों और जिन्हें बाद में प्रशिक्षित करने पर ज्यादा समय न गंवाना पड़े। आप चाहे सरकारी नौकरी में जाना चाहते हों या फिर प्राइवेट जॉब तलाश रहे हों, पहले कुछ बुनियादी टेक्नोलॉजिकल स्किल्स से खुद को लैस करना बेहद जरूरी है। यह बात भी ध्यान रहे कि एक बार किसी कोर्स द्वारा या कहीं से ऐसी स्किल सीख लेना ही पर्याप्त नहीं है।

क्या आपमें हैं टेक्नो स्किल्स ?

एक सरकारी विभाग में राजभाषा अधिकारी पद के लिए इंटरव्यू चल रहा था। इस पद का टेक्नोलॉजी से कोई खास लेना-देना नहीं है। कोई भी यही सोचेगा कि इसके लिए हिंदी भाषा पर अच्छी पकड़, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल और बढ़िया अकेडेमिक रेकॉर्ड होना पर्याप्त है। मगर आखिर में ऐसे तमाम उम्मीदवारों को पीछे करते हुए इंटरव्यू बोर्ड ने एक ऐसे उम्मीदवार का चयन किया, जो हिंदी पर अच्छा अधिकार तो रखता ही था, उसे टेक्नोलॉजी, ब्लॉगिंग, सोशल मीडिया आदि की भी अच्छी समझ थी। असल में विभाग को आगे हिंदी को बढ़ावा देने के लिए ऐसे ही युवा अधिकारियों की जरूरत थी, जो लेटेस्ट टेक्नोलॉजी की अच्छी समझ रखते हों और हिंदी को बढ़ावा देने के लिए इनका इस्तेमाल करने में सक्षम हों। इस उदाहरण से समझा जा सकता है कि आजकल किसी भी फील्ड में नौकरी के लिए टेक्नोलॉजी की बेसिक जानकारी होना या टेकसैवी होना कितना जरूरी हो गया है। आजकल हर एम्प्लॉयर ऐसे उम्मीदवार तलाशता है, जो पहले से टेक्नो-स्किल रखते हों और जिन्हें बाद में प्रशिक्षित करने पर ज्यादा समय न गंवाना पड़े। आप चाहे सरकारी नौकरी में जाना चाहते हों या फिर प्राइवेट जॉब तलाश रहे हों, पहले कुछ बुनियादी टेक्नोलॉजिकल स्किल्स से खुद को लैस करना बेहद जरूरी है। यह बात भी ध्यान रहे कि एक बार किसी कोर्स द्वारा या कहीं से ऐसी स्किल सीख लेना ही पर्याप्त नहीं है। आपको खुद को लगातार इसमें अपडेट भी करते रहना होगा। अगर आप ऐसी स्किल से लैस हैं, तो किसी भी जॉब में आपको चुने जाने की संभावना काफी बढ़ जाती है। अगर आप ऐसी स्किल्स रखते हैं, तो उनके बारे में अपने रिज्यूमे में जरूर लिखें। अब तो ज्यादातर जगह नौकरियों के लिए आवेदन भी ऑनलाइन मंगाए जाने लगे हैं और ट्रेनिंग भी कम्प्यूटर आधारित होती है, इसलिए आपके लिए इंटरनेट और कम्प्यूटर का अच्छा ज्ञान रखना एक अनिवार्य योग्यता है। जानते हैं ऐसी कौन-सी स्किल्स सीखना जरूरी है।

माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस

माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस सॉफ्टवेयर किसी भी कम्प्यूटर को चलाने के लिए आधार जैसा है। अगर एमएस वर्ड, पावर पॉइंट और एक्सेल पर काम जानते हैं, तो आप दूसरे उम्मीदवार से अपने को बेहतर बता सकते हैं। इनमें से कुछ का इस्तेमाल आजकल स्कूलों के प्रोजेक्ट, प्रेजेंटेशन तैयार करने या कैलकुलेशन में भी होता है। बड़े पैमाने पर डाटा को ऑर्गनाइज करने और जटिल मैथमेटिकल कम्प्युटेशन के लिए माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल एक बेहतरीन सॉफ्टवेयर है। यह एक तरह का स्टैंडर्ड ऑफिस इक्विपमेंट बन गया है। इसलिए आपको इस प्रोग्राम की बेसिक समझ होनी ही चाहिए। अगर इसके एडवांस फीचर सीख लें और इसमें अच्छे तरीके से काम कर पाएं, तो सोने में सुहागा होगा। इसी तरह, यदि आप कम्प्यूटर पर प्रेजेंटेशन बनाना पहले से सीख लेते हैं, तो आपको एक काबिल उम्मीदवार माना जाएगा।

कम्प्यूटर की बेसिक समस्याएं

आपको कम्प्यूटर की छोटी-मोटी समस्याओं को सुलझाने आना चाहिए। कंपनियां यह उम्मीद करती हैं कि आप छोटी-मोटी समस्याओं के लिए आईटी विभाग पर निर्भर न रहें, क्योंकि अक्सर उनके कर्मचारी व्यस्त रहते हैं। यह एक महत्वपूर्ण स्किल है। इसी तरह आपको एंटी-वायरस, गैर-जरूरी फाइलों को क्लीन करने आदि के बारे में जानकारी होनी चाहिए।

की-बोर्ड शॉर्टकट

यह तो उम्मीद की ही जाती है कि आपको कम्प्यूटर पर अच्छी स्पीड से टाइपिंग आती होगी। इसके लिए नियमित अभ्यास के साथ यह भी जरूरी है कि आप की-बोर्ड शॉर्टकट सीख लें। इससे आपका काफी समय बचता है और तेजी से टाइपिंग कर पाते हैं। कॉपी-पेस्ट करने, अनडू, बोल्ड, इटेलिक, प्रिंट करने आदि के शॉर्टकटसबसे पहले सीखें।

मोबाइल फोन का प्रभावी इस्तेमाल

ऑफिस में कम्युनिकेशन के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है। आपको मोबाइल पर तेजी से मैसेज टाइप करना, एड्रेस अच्छी तरह से ऑर्गनाइज करना, कॉन्फ्रेंस कॉल करना आदि उपयोगी स्किल सीखनी होंगीं।

स्मार्ट सर्फिंग, मेलिंग

आपको इंटरनेट पर कोई जानकारी तेजी से हासिल करने के लिए सही तरीके से सर्फिंग करना आना चाहिए। यह देखने में आसान लगता है लेकिन सच तो यह है कि उपयुक्त जानकारी हासिल करने में काफी समय खपाना पड़ता है। कम समय में चाही गई जानकारी प्राप्त हो जाए, इसके लिए आपको सटीक सर्फिंग का अभ्यास होना चाहिए। यानी आपको टारगेटेड सर्च और की-वर्ड का सही इस्तेमाल आना चाहिए। इसी तरह आपको ईमेल का पूरा सिस्टम, उसका एटिकेट आदि पता होना चाहिए। ईमेल को कंपोज करने, फॉर्मेट करने, उसे भेजने और ऑर्गनाइज करने के बेसिक फीचर्स जानना महत्वपूर्ण है।

स्टोरेज टूल की जानकारी

आपको यह पता होना चाहिए कि पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क आदि में डाटा कैसे सेव किया जाता है और उन्हें कम्प्यूटर में लगाकर कैसे इस्तेमाल करते हैं। इसी तरह गूगल ड्राइव, ड्रॉपबॉक्स जैसे क्लाउड स्टोरेज का इस्तेमाल भी आपको सीखना चाहिए। आपको यह भी सीखना चाहिए कि अपने कम्प्यूटर का बैकअप कैसे बनाते हैं।

टेक्नोलॉजी की अपडेटेड नॉलेज

इन सब स्किल्स के साथ ही आपसे यह भी अपेक्षा की जाती है कि आप टेक्नोलॉजी की दुनिया में चल रही नवीनतम गतिविधि से अपडेट होंगे। कम्प्यूटर का लेटेस्ट प्रोसेसर कौन-सा आया है, आजकल रैम कितने जीबी की लगी होती है, 3जी या 4जी क्या हैं, इंटरनेट की स्पीड किस लेवल तक पहुंची है, वाई-फाई की जगह नई टेक्नोलॉजी कौन-सी आ रही है, ऐसे तमाम मसलों से आपको अपडेट रहना चाहिए।

क्या आप अपने विचारों की अभिव्यक्ति अच्छे तरीके से कर सकते हैं क्या आप इंटरनेट की ताकत पर यकीन करते हैं क्या आप हटकर सोच सकते हैं ? अगर हां, तो आपको इंटरनेट मार्केटिंग के करियर बनाने के बारे में एक बार सोचना चाहिए।

इंटरनेट मार्केटिंग में इस तरह बनेगा हाइटेक करियर

आज संवाद के लिए ज्यादा से ज्यादा भारतीय इंटरनेट उपयोग कर रहे हैं तो इसके साथ ही मार्केटिंग का नया क्षेत्र उभर कर आ रहा है। चूंकि यह संदेश भेजने में कॉस्ट इफेक्टिव मीडियम है इसलिए यह युवाओं के बीच बहुत लोकप्रिय है। रिपोर्ट के मुताबिक आज भारत में 50 करोड़ लोग इंटरनेट का नियमित उपयोग करते हैं और यह उछाल पिछले छह सालों में 600 प्रतिशत रहा है। इंटरनेट मार्केटिंग में करियर बनाने के लिए आपको कोई विशेष डिग्री की आवश्यकता नहीं है। आपको पारंपरिक ऑफलाइन मार्केटिंग का थोड़ा नॉलेज होना जरूरी है। इसके अलावा, क्रिएटिविटी, हटकर सोचने की कला, ऑनलाइन मार्केटिंग स्किल्स, टेक्निक्स पता होना जरूरी है। चूंकि यह क्षेत्र एक डायनेमिक है तो लोगों के लिए काफी जॉब ऑप्शन मौजूद है। इंटरनेट मार्केटिंग के क्षेत्र में कई तरह के अवसर मौजूद है आप सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन, सोशल मीडिया मार्केटिंग, कॉपीराइटर, लिंक बिल्डिंग, सर्च इंजन मार्केटिंग, ई-मेल मार्केटिंग, ऑनलाइन एडवरटाइजिंग में काम कर सकते हैं। अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र में डिमांड है। ऑफलाइन जो भी मार्केटिंग की जाती है अब ऑनलाइन मार्केटिंग में भी शामिल हो गई है। इंटरनेट मार्केटिंग उन जॉब्स में से एक है जो कि एक बड़ा ग्रोथ देगा।

यूं खुलेगा वेब वर्ल्ड का रास्ता

वेबसाइट, पोर्टल या ब्लॉग को लॉन्च करना तो बेहद आसान है, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती है वेबसाइट, पोर्टल या ब्लॉग की मार्केटिंग। ऐसे में ऑनलाइन मार्केटिंग या इंटरनेट मार्केटिंग की भूमिका सामने आती है। इंटरनेट मार्केटिंग कंपनियों और कंज्यूमर्स को कनेक्ट करती है। इंटरनेट मार्केटिंग के जरिए वेब वर्ल्ड का रास्ता खुलता है, जो एक वेबसाइट या ब्लॉग की प्राइमरी रिक्वॉयरमेंट है।

ये क्वॉलिटीज बढ़ाएंगी आपके लिए रोजगार के अवसर

किसी भी एम्प्लॉई को हायर करने के लिए एक एम्प्लॉयर उसमें कई तरह की क्वॉलिटीज सर्च करता है। जानें कौन सी वह पांच क्वॉलिटीज हैं जो आप खुद में डेवलप करके अपनी एम्प्लॉयबिलिटी बढ़ा सकते हैं।

क्या आप बेस्ट हैं

आपकी क्वॉलिफिकेशन आपके अप्लाइड रोल को जस्टिफाई करनी चाहिए। इंटरव्यूअर के पूछे गए इस क्वेश्चन के आंसर को आप अपने अचीवमेंट्स और गोल्स के साथ सपोर्ट कर सकते हैं। इस बात का ध्यान हमेशा रखें कि आपके अलावा भी यहां और कैंडिडेट्स हैं जो आपका कॉम्पिटीशन बन सकते हैं।

क्या आप एक भविष्य के लीडर हैं ?

हर कंपनी किसी ऐसे कैंडिडेट को रिक्रूट करना चाहती है जिसका फ्यूचर विजन क्लीयर हो। कंपनी हमेशा किसी ऐसे कैंडिडेट को रिक्रूट करना चाहेगी जो अपने विजन को पूरी प्लानिंग के साथ कंप्लीट कर सके।

आप खुद को कितनी अच्छी तरह जानते हैं ?

यह क्वेश्चन हर इंटरव्यू में पूछा ही जाता है। इस क्वेश्चन से इंटरव्यूअर यह जानना चाहता है कि कैंडिडेट कितने ऑर्गनाइज्ड और कंसाइज तरीके खुद को डिस्क्राइब करते हैं। इसलिए इस आंसर में अपनी पर्सनालिटी के हर कॉर्नर को कवर करें।

टीमवर्क

किसी भी कैंडिडेट को रिक्रूट करने से पहले इंप्लॉयर यह जरूर देखता है कि क्या वह कैंडिडेट टीम के साथ एफिशियंटली कॉर्डिनेट करके काम कर पाएगा या नहीं। बेस्ट एम्प्लॉई वही होता है जो अपनी टीम को साथ में लेकर प्रोजेक्ट को कंप्लीट करे।

अपने रिपोर्टिंग मैनेजर से डील करना

अपने मैनेजर को रिपोर्ट करने का मतलब यह नहीं कि आप उनकी हर बात में हां में हां मिलाएं लेकिन इसमें यह चेक किया जाता है कि आप किस तरह से अपने व्यूज, सजेशंस और इनपुट्स उनके सामने रखते हैं। आइडियल कैंडिडेट वही है जिसे पता होता है कि कौन और क्या सही है।

आरसीबी की तरफ से खेलना चाहते हैं रिंकू

नई दिल्ली। बल्लेबाज रिंकू सिंह ने कहा है कि अवसर मिलने पर वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से भी खेलना चाहेंगे। रिंकू अभी कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से आईपीएल में खेलते हैं। रिंकू के इस बयान से सभी हैरान हैं। रिंकू को आईपीएल में केकेआर की ओर से किये धमाके दार प्रदर्शन के कारण ही टीम इंडिया में भी जगह मिली है। रिंकू के अनुसार आईपीएल के अगले सत्र में यदि केकेआर की टीम ने उन्हें नहीं रखा तो वह आरसीबी जाकर विराट कोहली के साथ खेलना चाहेंगे। साल 2018 में रिंकू सिंह ने केकेआर की तरफ से आईपीएल में खेला था। आईपीएल ओर घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद साल उन्हें भारतीय टी20 टीम में जगह मिली थी। वहीं दिसंबर 2023 में उनको दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय में डेब्यू का अवसर मिला। रिंकू का करियर संघर्ष भरा रहा। घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन से उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में जगह दिलाई, जहां उन्हें 2017 में किंग्स इलेवन पंजाब और बाद में 2018 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने खरीदा। आईपीएल में रिंकू को शुरुआत में अपनी जगह बनाने में संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने अपना ज़्यादातर समय बाहर बैठकर बिताया। हालांकि 2022 के सीजन में उनकी किस्मत बदल गई, जहां उन्होंने सात मैचों में 34.80 की औसत और 148.72 की स्ट्राइक रेट से 174 रन बनाए। इस प्रदर्शन ने केकेआर के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का ध्यान खींचा जिन्होंने रिंकू की प्रशंसा की और युवा खिलाड़ी की सफलता पर अपनी खुशी व्यक्त की। 2023 का सीजन रिंकू के लिए सबसे अच्छा साबित हुआ। उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और 14 मैचों में 59.25 की औसत और 149.52 की स्ट्राइक रेट से 474 रन बनाकर केकेआर के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। उनके शानदार फॉर्म ने उन्हें पहचान दिलाई और आखिरकार उन्हें भारतीय राष्ट्रीय टीम में शामिल कर लिया गया।

अब युवराज की जिंदगी पर बनेगी बायोपिक

नई दिल्ली। 2011 एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय क्रिकेट टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह के जीवन पर अब फिल्म बनने जा रही है। स्वयं युवराज ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर ये जानकारी देते हुए इस फिल्म के निर्माता का आभार जताया है। युवराज पर बन रही इस फिल्म का निर्माण भूषण कुमार-रवि भगचांदका करेंगे। इस फिल्म में युवराज की भूमिका कौन सा कलाकार निभाएगा ये अभी तय नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि रणवीर कपूर से भूमिका निभा सकते हैं। रणबीर ने इससे पहले अभिनेता संजय दत्त की भूमिका भी निभाई थी।

फिल्म मे युवराह का क्रिकेट करियर और उसके बाद कैंसर से उनकी जंग भी दिखायी जाएगी। कैंसर के बाद युवराज ने भारतीय टीम में भी वापसी की थी। वहीं लीग क्रिकेट भी खेला। इससे पहले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के जीवन पर भी एक बायोपिक धोनी – द अनटोल्ड स्टोरी बनी थी और उसने सफलता के कई रिकार्ड बनाये थे। उसमें धोनी की भूमिका दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने निभाई थी। ऐसे में माना जा रहा है कि युवराज पर बनी फिल्म भी खासी सफल होगी।

बांग्लादेश में महिला टी20 विश्व कप खेलना संभव नहीं : हीली

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली बांग्लादेश के हालातों को देखकर बेहद डरी हुई हैं। एलिसा ने कहा है कि जिस प्रकार वहां हिंसा हुई है और कई लोगों की जान गयी है। उसको देखते हुए अक्टूबर में बांग्लादेश में महिला टी20 विश्व कप खेलना किसी के लिए भी संभव नहीं होगा। हीली के अनुसार पिछले कुछ समय में जिस प्रकार के हालात वहां रहे हैं उसमें कोई भी वहां खेलने की कल्पना तक नहीं कर सकता। बांग्लादेश को इस बार महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी मिली है और ये टूर्नामेंट तीन से 19 अक्टूबर तक खेला जाना है। जिससे ऑस्ट्रेलिया सहित सभी 10 टीमों को भाग लेना है। आईसीसी ने अभी तक किसी अन्य स्थल पर इसे आयोजित करने की घोषणा नहीं की है हालांकि ये माना जा रहा है कि ये किसी अन्य जगह पर रखा जाएगा। एलिसा ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) से कहा कि मुझे इस समय वहां खेलने के बारे में सोचना भी मुश्किल लग रहा है। एक इंसान के तौर पर मुझे लगता है कि ऐसा करना गलत होगा। उन्होंने कहा कि यह ऐसे देश से संसाधन छीनना होगा जो पहले ही काफी संघर्ष कर रहा है। इन संसाधनों की उन सभी लोगों की जरूरत है जो जरुरतमंद हैं। एलिसा ने हालांकि कहा कि इस बारे में अंतिम फैसला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को लेना है। उन्होंने कहा कि इस समय बांग्लादेश में क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित करने से ज्यादा जरुरी वहां अन्य प्रकार की सहायता देना है। ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में बांग्लादेश में सीमित ओवरों की सीरीज खेली थी जिसके सभी छह मैच ढाका में खेले गए थे। यह 2014 के टी20 विश्व कप के बाद ऑस्ट्रेलिया का बांग्लादेश का पहला दौरा था और देश में टी20 विश्व कप की उनकी तैयारियों को देखते हुए अहम माना जा रहा था। हीली को भरोसा है कि टूर्नामेंट को कहीं और आयोजित किया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे में खेल सकते हैं शमी : शाह

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने कहा है कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। शाह ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरे में हमें शमी जैसे अनुभवी खिलाड़ी की जरुरत पड़ सकती है। भारतीय टीम इस साल के अंत में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। ये दौरा कठिन होने की संभावना है। इसी को देखते हुए बोर्ड ने अपने तेज गेंदबाजों की फिटनेस बनाये रखने पर ध्यान दिया है। इसी के तहत ही तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा रहा है। इसके अलावा सर्जरी के बाद उबर रहे शमी पर भी बोर्ड की नजरें लगी हुई हैं। शाह ने कहा, हमारी टीम पहले से ही तैयार है। हमने बुमराह को काफी आराम दिया है। इसके अलावा शमी के भी तब तक पूरी तरह से फिट होने की संभावना है। ऐसे में दौरे पर जाने वाले टीम काफी अनुभवी रहेगी।

2023 आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप के बाद से ही शमी खेल से दूर हैं। टूर्नामेंट के बाद उन्होंने सर्जरी भी कराई थी पर अब वह अभ्यास करने लगे हैं। इसी को लेकर शाह ने कहा, देखिए शमी ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर रहेंगे क्योंकि उनको पास काफी ज्यादा अनुभव है। हमें उनकी जरूरत ऑस्ट्रेलिया में जरुरत पड़ेगी। वहीं बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने बताया कि शमी को अगर रणजी ट्रॉफी में खेलना है तो रणजी में अपनी फिटनेस दिखानी होग।

खेल पंचाट ने विनेश की अपील खारिज करने का कारण बताया

नई दिल्ली। खेल पंचाट ने पेरिस ओलंपिक में भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को संयुक्त रुप से रजत दिये जाने की याचिका खारिज किये जाने पर अपना जवाब दिया है। खेल पंचाट के अनुसार वजन पर नियंत्रण रखना खिलाड़ी की जिम्मेदारी है। पंचाट का कहना है कि उसके लिए सभी खिलाड़ी बराबर हैं और नियम भी पूरी तरह से स्पष्ट हैं। साथ ही कहा कि इस प्रकार के मामलों में किसी भी प्रकार की राहत देना संभव नहीं है। ऐसे में खिलाड़ियों को ही ये पक्का करना होगा कि वे अपने वजन को तय सीमा के अंदर रहें। इससे पहले खेल पंचाट के तदर्थ पैनल ने विनेश को 100 ग्राम अधिक वजन के कारण फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ की गयी अपील को खारिज कर दिया था। वहीं इस फैसले पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने कड़ी प्रतिक्रिया जतायी थी। खेल पंचाट ने , 'वजन सीमा के संबंध में नियम स्पष्ट हैं और सभी प्रतियोगियो के लिए समान हैं। इसके लिए ऊपरी सीमा में किसी भी प्रकार की कोई राहत प्रदान नहीं की गई है। ऐसे में यह स्पष्ट रूप से खिलाड़ी की जिम्मेदारी है कि वह उस सीमा के अंदर रहे। इसमें कोई संदेह नहीं है कि आवेदक का वजन सीमा से अधिक था। उसका मामला यह है कि उसका वजन मात्र 100 ग्राम अधिक था और इसकी छूट मिलनी चाहिए क्योंकि ऐसा पानी पीने और विशेष रूप से मासिक धर्म से पहले के चरण के दौरान हो जाता है।' विनेश को महिलाओं के 50 किग्रा फ्रीस्टाइल फाइनल के ठीक पहले अयोग्य घोषित कर दिया गया था। उनकी अपील पर फैसला काफी समय बाद अया। अपनी अपील में विनेश ने मांग की थी कि उन्हें क्यूबा की पहलवान युसनेलिस गुजमैन लोपेज के साथ संयुक्त रजत पदक दिया जाए क्योंकि लोपेज सेमीफाइनल में उनसे हार गई थी।

व्यापार

बढ़त के साथ शेयर बाजार की शुरुआत

- सेंसेक्स 300 अंक चढ़ा, निफ्टी 24,600 के पार

मुंबई (ईएमएस)। वैश्विक बाजारों से मजबूत संकेतों की वजह से बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी-50 मंगलवार को बढ़त के साथ खुले। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 297.86 अंक बढ़कर 80,722.54 के स्तर पर खुला, जबकि निफ्टी 50 76.25 अंक बढ़कर 24,648.90 के स्तर पर पहुंच गया। एनएसई की कंपनियों में बीपीसीएल, टीसीएस, हीरो मोटोक्रॉप, इंडसइंड बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे जबकि ओएनजीसी, भारती एयरटेल, सीआईपीएलए, एचसीएल टेक और आईटीसी एनएसई गिरावट में कारोबार कर रहे थे। बीएसई की कंपनियों में टीसीएस के शेयर में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई। साथ ही इंडसइंड बैंक, अल्ट्रा टेक, सन फार्मा और एक्सिस बैंक के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में कारोबार कर रहे थे। व्यापक बाज़ारों में भी वृद्धि हुई। निफ्टी स्मॉलकैप 0.51 फीसदी चढ़ा जबकि मिडकैप 0.48 फीसदी बढ़कर कारोबार कर रहा था। सेक्टर के लिहाज से निफ्टी मेटल और ओएमसी 0.70 फीसदी तक की बढ़त के साथ शीर्ष पर रहे। वहीं ऑटो और बैंकिंग शेयरों में गिरावट तथा विभिन्न सेक्टरों में सुस्त कारोबार के बीच सोमवार को भारतीय शेयर बाजार अपनी शुरुआती बढ़त गंवाने के बाद फ्लैट नोट पर बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 12.16 अंक की मामूली गिरावट लेकर 80,424.68 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 31.50 अंक की हल्की बढ़त के साथ 24,572.65 पर बंद हुआ। एशियाई बाज़ार वॉल स्ट्रीट पर नज़र रखते हुए तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। जापान का निक्केई मंगलवार सुबह 1.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ आगे रहा, इसके बाद दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ दूसरे स्थान पर रहा। अमेरिका में वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स ने 2024 के अपने सबसे लंबे साप्ताहिक प्रतिशत लाभ के साथ सोमवार को लगातार 18वें सेशन में अपनी तेजी का सिलसिला जारी रखा।

2500 से 3500 रुपये क्विंटल तक पहुंचे प्याज के दाम

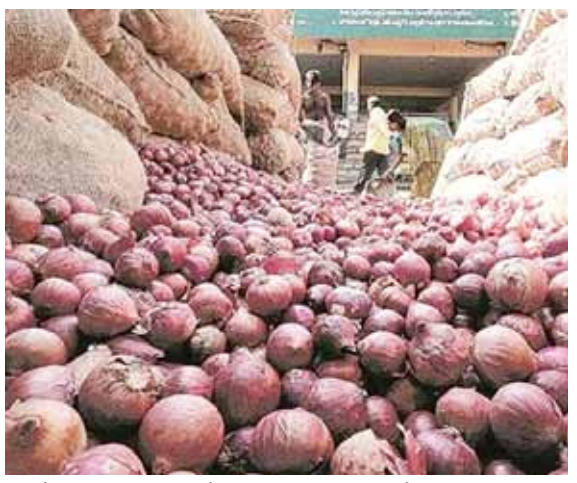

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के कुर्नूल जिले की प्याज मंडी में इस समय प्याज के दाम 2500 रुपये से लेकर 3500 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गए हैं, जो कि पिछले साल के मुकाबले एक बड़ी वृद्धि है। आंध्र प्रदेश में खुले बाजार में प्याज 50 रुपये प्रति किलो बिक रहा है, जबकि सरकारी रायतू बाजार में प्याज की कीमत 42 से 45 रुपये प्रति किलो के बीच है। इस साल प्याज की कीमतों में वृद्धि पहले ही शुरू हो चुकी है। इस स्थिति का एक बड़ा कारण महाराष्ट्र में प्याज की फसल की खराबी है। बेमौसम बारिश ने महाराष्ट्र की प्याज फसल को बुरी तरह प्रभावित किया है। त्योहारों जैसे रक्षाबंधन और जन्माष्टमी के पहले प्याज की कीमतें इन दिनों तेजी से बढ़ रही हैं। कुर्नूल के किसानों के चेहरे पर इन दिनों खुशी की चमक है क्योंकि पिछले साल इसी मंडी में प्याज का भाव मुश्किल से 500 रुपये से 1000 रुपये प्रति क्विंटल था। तब किसानों को अपनी उपज की लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा था और उन्होंने विरोध स्वरूप अपनी प्याज फेंक दी थी। इस बार प्याज के दाम में वृद्धि से किसानों को अच्छी आमदनी हो रही है। वे उम्मीद कर रहे हैं कि त्योहारी सीजन में मांग और बढ़ेगी जिससे प्याज के दाम और चढ़ सकते हैं।

एलआईसी ने हिंदुस्तान कॉपर में घटाई हिस्सेदारी

मुंबई। देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने खुले बाजार में हिंदुस्तान कॉपर में 2.09 प्रतिशत हिस्सेदारी 447 करोड़ रुपए में बेच दी है। एलआईसी ने शेयर बाजार को यह सूचना दी। उसने हिंदुस्तान कॉपर के कुल 2,01,62,682 शेयर यानी 2.085 प्रतिशत हिस्सेदारी खुले बाजार में लेनदेन के जरिये बेची है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान कॉपर के शेयरों को 221.64 रुपए प्रति शेयर की औसत कीमत पर बेचा गया। इस तरह सौदे का कुल मूल्य 446.8 करोड़ रुपए रहा। हिस्सेदारी बिक्री के बाद हिंदुस्तान कॉपर में एलआईसी की हिस्सेदारी 8.17 प्रतिशत से घटकर 6.09 प्रतिशत रह गई है। हिंदुस्तान कॉपर देश में तांबा अयस्क के खनन में लगी इकलौती कंपनी है। इसके अलावा यह परिष्कृत तांबे की एकमात्र उत्पादक कंपनी भी है। मंगलवार को बीएसई पर हिंदुस्तान कॉपर का शेयर 1.07 फीसदी की गिरावट के साथ 320.10 रुपए पर आ गया। एलआईसी का शेयर 0.39 फीसदी की तेजी के साथ 1076.10 रुपए पर है। सोमवार को हिंदुस्तान कॉपर का शेयर बीएसई पर 3.06 फीसदी तेजी के साथ 323.55 रुपए पर बंद हुआ। इस वैल्यू पर इसका मार्केट प्राइस 31,288.06 करोड़ रुपए है। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 415.60 रुपए और न्यूनतम स्तर 135.70 रुपए है। दूसरी ओर एलआईसी का शेयर 1.34 फीसदी तेजी के साथ 1071.95 रुपए पर बंद हुआ। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 1,221.50 रुपये और न्यूनतम स्तर 597.65 रुपए है।

सोने का भाव 71,550 रुपए, चांदी 84,500 रुपए

नई दिल्ली। सोने के वायदा कारोबार की शुरुआत मंगलवार को सुस्ती के साथ हुई जबकि चांदी के वायदा कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव 71,550 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 84,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। बाद में सोना नरम पड़ गया। सोने के वायदा भाव की शुरुआत मंगलवार को गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 54 रुपये की गिरावट के साथ 71,530 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 43 रुपये की गिरावट के साथ 71,541 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 462 रुपये की तेजी के साथ 84,800 रुपये पर खुला। इस समय यह 176 रुपये की तेजी के साथ 84,514 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में सोने के भाव सुस्त पड़ गए। कॉमेक्स पर सोना 2,542.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,541.30 डॉलर प्रति औंस था। फिलहाल यह 1.90 डॉलर की गिरावट के साथ 2,539.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.49 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.30 डॉलर था। फिलहाल यह 0.07 डॉलर की तेजी के साथ 29.37 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' का टीज़र रिलीज़

छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित स्वराज्य के रक्षक छावा संभाजी महाराज की बायोपिक अब सिल्वर स्क्रीन पर फिल्म 'छावा' के माध्यम से दर्शकों के सामने आ रही है। 'छावा' का रोमांचक टीजर रिलीज हो चुका है और छत्रपति संभाजी महाराज के किरदार में विक्की कौशल ने अपनी छाप छोड़ी है। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उत्तेकर ने किया है। यह फिल्म 6 सितंबर 2024 को रिलीज होगी। बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग से छाप छोड़ने वाले विक्की कौशल की आने वाली फिल्म 'छावा' पिछले कुछ दिनों से चर्चा में है। 'छावा' का ट्रेलर 'स्त्री-2' के साथ सिनेमाघरों में दिखाया गया था। सोशल मीडिया पर टीजर वायरल होने के बाद अब मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर फिल्म का टीजर सोमवार को रिलीज कर दिया है। विक्की कौशल ने फिल्म 'छावा' से अपना फर्स्ट लुक शेयर किया और फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा की। यह फिल्म 6 सितंबर 2024 को रिलीज होगी। बॉक्स ऑफिस पर 'छावा' की टक्कर 'पुष्पा 2' से होगी। 'छावा' फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के दिवंगत छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। टीजर में विक्की कौशल के लुक, एक्शन से पता चलता है कि उन्होंने इस फिल्म के लिए काफी मेहनत की है। आंखों में आग लेकर स्वराज्य की रक्षा करने का जुनून रखने वाले छत्रपति संभाजी महाराज मुगल सेना से लड़ते नजर आए। औरंगजेब के किरदार में अक्षय खन्ना का लुक बेहद शानदार है।

'छावा' की स्टार कास्ट- फिल्म 'छावा' में विक्की कौशल छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका में नजर आएंगे। तो वहीं औरंगजेब का किरदार अक्षय खन्ना निभाएंगे। जनरल हंबीर राव मोहिते की भूमिका में आशुतोष राणा, सोयराबाई की भूमिका में दिव्या दत्ता नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में रश्मिका मंदाना और नील भूपलम भी हैं।

अभिनेता रवि दुबे को याद करते हुए भावुक हुई निया शर्मा

एक्ट्रेस बोली- मेरी और रवि की एक अच्छी जोड़ी रही

मुंबई। अभिनेत्री निया शर्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें वो कहती हुईं नजर आ रही हैं कि, पिछले 13 साल में मैंने इतना काम किया है। अब मुझे अभिनेता रवि और मेरे तालमेल को देखकर अत्यधिक उत्साहित होती हूं। निया शर्मा अपने पसंदीदा सह-कलाकार अभिनेता रवि दुबे को याद करते हुए भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि वो अपने पसंदीदा अभिनेता को पर्दे पर बहुत याद करती हैं। एक्ट्रेस ने कहा- मेरी और रवि की एक अच्छी जोड़ी रही और हमने हर तरह की भावनाएं साझा कीं। हम दुश्मन भी रहे और दोस्त भी रहे, इसलिए उनके साथ काम करने का लंबा सफर मुझे बहुत याद आता है। अब वो समय वापस नहीं आएगा। निया के इस वीडियो को अभिनेता रवि ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है। उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा, निया, इसके साथ ही दिल वाली इमोजी भी लगाई। निया ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर रवि के लिए लिखा आपके अच्छे व्यवहार की वजह है कि मैं यह कर रही हूं। बता दें कि निया शर्मा और रवि दुबे 2014 के टीवी ओपेरा जमाई राजा में सह-कलाकार रहे हैं। इसका निर्माण अभिनेता अक्षय कुमार ने किया था और सह-निर्माता अश्विनी यार्डी और मीनाक्षी सागर थे। इसमें शाइनी दोशी और अचिंत कौर ने भी मुख्य भूमिका निभाई थी। जमाई 2.0 जमाई राजा का सीक्वल है जो ओटीटी प्लेटफॉर्म जी पर स्ट्रीम हो रहा है। निया को एक हजारों में मेरी बहना है, बहनें, मेरी दुर्गा, काली - एक अग्निपरीक्षा में उनकी भूमिकाओं के लिए भी जाना जाता है। साल 2020 में उन्होंने खतरों के खिलाड़ी मेड इन इंडिया में भाग लिया और विजेता बनकर उभरीं। इस बीच साल 2019 में रवि दुबे ने अपनी पत्नी और अभिनेत्री सरगुन मेहता के साथ अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस ड्रीमियाटा एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड शुरू किया था। इस जोड़ी ने जुनूनियत, दालचीनी, उडारियां और बादल पे पांव है जैसे शो का निर्माण किया। हाल ही में 40 वर्षीय अभिनेता कोर्ट रूम ड्रामा लखन लीला भार्गव (एलएलबी) में मुख्य भूमिका निभाते दिखे थे।निया शर्मा सेलिब्रिटी कुकिंग शो लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में नजर आ रही हैं।

फिल्म गुलमोहर को चुना गया बेस्ट हिंदी फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। 70वें नेशनल फिल्म अवार्ड का कल अनाउंसमेंट किया गया, जिसमें मनोज बाजपेयी की फिल्म गुलमोहर को बेस्ट हिंदी फिल्म चुना गया है। मनोज बाजपेयी की फिल्म गुलमोहर ने बाजी मार ली है और इसे बेस्ट हिंदी फिल्म अवॉर्ड से नवाजा गया। फिल्म को स्पेशल मेंशन और बेस्ट स्क्रीनप्ले का अवॉर्ड भी दिया गया।इस मौके पर मशहूर स्टार मनोज बाजपेयी का कहना है कि उन्हें गर्व है कि उनकी फिल्म गुलमोहर को बेस्ट हिंदी फिल्म, स्पेशल मेंशन और बेस्ट स्क्रीनप्ले अवार्ड के लिए चुना गया। मनोज ने मीडिया से बात करते हुए कहा, मैं बस इतना कह सकता हूं कि मैं अपने निर्देशक के लिए बहुत खुश हूं और मुझे बहुत गर्व है कि गुलमोहर को 3 अवॉर्ड्स के लिए चुना गया है, यह एक ऐसी फिल्म है, जो मेरे दिल में बहुत खास जगह रखती है।मनोज ने तीन नेशनल फिल्म अवार्ड और दो एशिया पैसिफिक स्क्रीन अवार्ड सहित कई अवार्ड हासिल किए हैं। उन्हें 2019 में कला में उनके योगदान के लिए भारत के चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। 2003 में, उन्होंने पिंजर के लिए स्पेशल जूरी नेशनल अवार्ड जीता। उन्हें फिल्म निर्माता हंसल मेहता की अलीगढ़ में उनके काम के लिए 2016 में एशिया पैसिफिक स्क्रीन अवार्ड के लिए नामित किया गया था। एक्टर को पिछली बार अपूर्व सिंह कार्की द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर फिल्म भैया जी में देखा गया था, इसके साथ उन्होंने पहले फिल्म सिर्फ एक बंदा काफी है में काम किया था। मालूम हो कि फिल्म गुलमोहर 3 मार्च 2023 को डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज हुई थी। इसे दर्शकों का खूब पसंद किया। इसमें सिमरन, सूरज शर्मा, अमोल पालेकर और कावेरी सेठ जैसे शानदार कलाकार शामिल थे। फिल्म के निर्देशन राहुल चित्तेला ने किया।

पहले मैं बहुत घमंडी हुआ करती थी : अनुष्का शर्मा

उनके अहंकारी स्वभाव के लिए दिया था रियलिटी चेक

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक थ्रोबैक वीडियो में बालीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने खुलासा किया है कि अभिनेत्री बनने से पहले वह कितनी घमंडी थीं। वीडियो में अनुष्का को यह कहते हुए सुना जा सकता है, ईमानदारी से कहूं तो अभिनेता बनने से पहले मैं बहुत घमंडी हुआ करती थी। मैं स्कूलों और अन्य सभी जगहों पर बहुत अधिक लोगों से बात नहीं करती थी। मैं वास्तव में दंभी थी। अनुष्का ने कहा, एक बार जब मैं अभिनेत्री बन गई तो आदित्य चोपड़ा ने मेरा रियलिटी चेक किया। उन्होंने कहा, तुम फिल्म कर रही हो, लेकिन तुम्हें पता है क्या? तुम सबसे अच्छी दिखने वाली लड़की नहीं हो। तब तक मैं सोचती थी कि मैं सबसे बेहतर हूं। अनुष्का ने 2008 में रोमांटिक कॉमेडी फिल्म रब ने बना दी जोड़ी से बॉलीवुड में डेब्यू किया था, जो आदित्य चोपड़ा द्वारा लिखित और निर्देशित थी और उनके पिता यश चोपड़ा द्वारा यश राज फिल्म्स के प्रोडक्शन बैनर के तहत निर्मित की गई थी। फिल्म में शाहरुख खान ने सुरिंदर साहनी की भूमिका निभाई, जबकि अनुष्का ने तानी की भूमिका निभाई। इसके बाद उन्होंने बदमाश कंपनी में बुलबुल, बैंड बाजा बारात में श्रुति, पटियाला हाउस में सिमरन, लेडीज वर्सेज रिकी बहल में इशिका, जब तक है जान में अकीरा, मटरू की बिजली में बिजली का किरदार निभाया। वह फिल्म परी, फिल्लौरी और बुलबुल की प्रोड्यूसर भी हैं। अनुष्का की अगली फिल्म चकदा एक्सप्रेस है। अभिषेक बनर्जी द्वारा लिखित, प्रोसित रॉय द्वारा निर्देशित और क्लीन स्लेट फिल्म के बैनर तले कर्णेश शर्मा द्वारा निर्मित इस जीवनी पर आधारित स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म में दिब्येंदु भट्टाचार्य, रेणुका शहाणे, अंशुल चौहान, कौशिक सेन, महेश ठाकुर जैसे कलाकार हैं। यह फिल्म झूलन गोस्वामी की बायोपिक है, इसमें अनुष्का मुख्य भूमिका में हैं। उन्होंने भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली से शादी की है।

बिग बी के साथ काम करने का मनीषा का सपना 8 साल बाद हुआ पूरा

रिलीज होते ही ये फिल्म हुई बड़ी फ्लॉप साबित

मुंबई। बालीवुड एक्ट्रेस मनीषा कोईराला का सपना था कि वह अमिताभ बच्चन के साथ भी किसी फिल्म में काम करे। लेकिन उनका ये सपना पूरा होने में पूरे 8 साल लग गए थे। साल 1991 से 8 साल के इंतजार के बाद मनीषा को साल 1999 में अमिताभ के साथ फिल्म बादशाह में काम करने का मौका मिला था। बादशाह फिल्म रिलीज हुई थी जब मनीषा 29 साल की थीं, जबकि अमिताभ बच्चन 57 साल के थे। ऐसे में पर्दे पर दोनों की जोड़ी बेमेल लगी। रिलीज होते ही ये फिल्म बड़ी फ्लॉप साबित हुई थी। हिंदी सिनेमा में अपनी खूबसूरती और बोल्ड अदाओं से लाखों दिलों को धड़काने वाली एक्ट्रेस मनीषा कोइराला आज भी लोगों का दिल जीत रही हैं। उनका बॉलीवुड सफर काफी सुर्खियों में रहा। करियर में एक ऐसा दौर भी आया, जब उन्हें अपनी इज्जत की खातिर कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा और अपनी ही फिल्म को रिलीज होने से रोकने की गुहार लगानी पड़ी थी।साल 1992 में आई फिल्म सौदागर के बाद तो उनकी पहचान इलू इलू सॉन्ग के बाद इलू इलू गर्ल के नाम से बन गई थी। अपनी ब्लॉकबस्टर डेब्यू के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उस दौरान उन्होंने 1942 ए लव स्टोरीबॉम्बे, अग्नि सखी, गुप्त, खामोशी, दिल से और मन जैसी फिल्मों में काम किया। बॉलीवुड में नाम कमाने के बाद कई हिट फिल्में देने के बाद एक समय ऐसा भी आया जब उनकी फिल्में फ्लॉप होने लगी। इसके बाद वह डिप्रेशन के चलते शराब की लत में डूब गई, जिसका असर उनके करियर पर भी पड़ा। बता दें काफी समय बाद कैंसर को मात देकर उन्होंने संजय लीला भंसाली की सीरीज हीरामंडी से शानदार कमबैक किया है। इससे पहले भी वह फिल्मों में नजर आ रही थीं, लेकिन वह छोटे-छोटे रोल निभा रही थीं। मनीषा कोराइला ने अपने करियर की शुरुआत साल 1991 में आई फिल्म सौदागर से की थी। डेब्यू करते ही उन्होंने अपने टैलेंट और अपनी खूबसूरती से लोगों का दिल जीत लिया था। उम्र के इस पड़ाव पर आकर भी वह भंसाली की सीरीज हीरामंडी में मल्लिका जान की भूमिका में छा गईं। मनीषा कोइराला जब सौदागर, 1942 लव स्टोरी और खामौशी जैसी फिल्मों के बाद इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस बन चुकी थीं।

विग पहनकर काफी खुश नजर आ रही हीना खान

मुंबई। स्तन कैंसर के लिए कीमोथेरेपी से गुजर रही अभिनेत्री हिना खान ने अपने बालों से बना विग पहनकर काफी खुश नजर आ रही हैं। हीना खान ने एक रील वीडियो शेयर किया है जिसमें वह अपने बाल दिखा रही हैं जो एक टोपी से जुड़े हुए हैं। इस वीडियो में हिना को टोपी पहने हुए कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए देखा जा सकता है। वह एक सफेद क्रॉप टॉप, काले और सफेद पोल्का डॉट जैकेट और बेज रंग की ट्राउजर पैंट पहने हुए हैं। वीडियो के साथ एक्ट्रेस ने एक लंबा नोट लिखा है। उन्होंने लिखा, जिस क्षण मुझे पता चला कि मेरे बाल झड़ जाएंगे, तो मैंने उसी समय अपने हिसाब से उन्हें कटवाने का फैसला किया जब वे स्वस्थ और लंबे थे। मैंने अपने खुद के बालों का एक विग बनाने का फैसला किया, जो मुझे इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान आराम देगा। मुझे कहना चाहिए कि यह एक सशक्त निर्णय था, और मुझे इस पर बहुत गर्व है। मैं अपनी सभी बहादुर महिलाओं को

एक विशेष संदेश भेजना चाहती हूं जो इसी तरह के संघर्षों से गुजर रही हैं.. अगर आप मेरे फैसले से सहमत हैं, तो मेरा सुझाव है कि आप भी ऐसा ही करें.. इससे कम से कम एक चीज बहुत आसान हो जाएगी कि आप इससे बेहतर महसूस करेंगी। हिना ने लिखा, इसे पहनने पर ऐसा लगता है, जैसे मैं अपने खोए हुए बालों से फिर से जुड़ गई हूं। यह अच्छा और आरामदायक लगता है। यह बस एक चरण है। मुझे पता था कि मुझे इससे गुजरना होगा और मैंने पहले से ही अपने लिए इसे सामान्य बनाने का फैसला किया। अब जब मैं इसका उपयोग कर रही हूं, तो मुझे लगा कि यह आप सभी के साथ साझा करने के लिए एक अच्छी कहानी होगी, क्योंकि आप लोग एक सपने की तरह हैं.. जहां भी मैं जाती हूं, जब भी मैं बाहर निकलती हूं, आपकी प्रतिक्रिया दिल को छू लेने वाली और उत्साहजनक होती है। पोस्ट के अंत में उन्होंने लिखा, जब कोई अजनबी मेरे शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता है तो उसकी आंखें चिंता से भर जाती हैं। यह देखना बहुत ही अभिभूत करने वाला होता है.. आप लोगों द्वारा भेजी गई सकारात्मकता से मैं अभिभूत हूं। तहे दिल से आपका धन्यवाद। मुझे पता है कि पूरी दुनिया मेरे लिए प्रार्थना कर रही है, लेकिन फिर भी दुआ करें। अभिनेत्री अमृता खानविलकर ने वीडियो पर टिप्पणी की और कहा, लव यू बेबी। धामी दृष्टि ने टिप्पणी में लाल दिल वाले इमोजी डाले। गौहर खान ने लिखा, सुंदर। काम के मोर्चे पर, हिना की अगली फिल्म कंट्री ऑफ ब्लाइंड पाइपलाइन में है। बता दें कि इंस्टाग्राम पर 36 वर्षीय अभिनेत्री के दो करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। एक्ट्रेस समय-समय पर अपने अकाउंट पर वीडियो शेयर करती रहती है।

'कल्कि 2898 एडी' देखकर अरशद वारसी ने प्रभास को कहा जोकर

इस साल की अभी तक सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' अभिनेता अरशद वारसी को पसंद नहीं आई है। इस फिल्म में बॉलीवुड और साउथ के दिग्गज कलाकारों ने कैमियो किया है। नाग अश्विन की निर्देशित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक कई रिकॉर्ड तोड़ चुकी है और दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 1100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर चुकी है। अभिनेता अरशद वारसी ने प्रभास, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और कमल हासन अभिनीत 'कल्कि 2898 एडी' देखने के बाद निराशा व्यक्त की। अरशद ने एक साक्षात्कार में कहा कि, "मैंने कल्कि देखी, मुझे फिल्म बिल्कुल पसंद नहीं आई। अमित ने अद्भुत काम किया है। कसम से जो ताकत उनमें है, अगर थोड़ी सी भी हमें मिल जाए तो हमारी लाइफ सेट हो जाए। उनका काम अद्भुत है।

प्रभास के रोल को लेकर क्या बोले अरशद- अरशद ने जहां अमिताभ बच्चन की तारीफ की तो वहीं दूसरी ओर उन्होंने प्रभास के रोल की आलोचना भी की। उन्होंने कहा कि प्रभास को देखकर मुझे बहुत दुख हुआ। यह क्या था वह एक जोकर

की तरह लग रहा था। क्यों मैं मैड मैक्स देखना चाहता हूं। मैं वहां मेल गिब्सन को देखना चाहता हूं। तुमने उसके साथ क्या किया, ऐसा क्यों करते हो? मैं वास्तव में नहीं जानता। इस ब्लॉकबस्टर फिल्म पर अरशद की प्रतिक्रिया खूब चर्चा में है।

अरशद ने की फिल्म 'श्रीकांत' की तारीफ-- साक्षात्कार के दौरान अरशद ने फिल्म 'श्रीकांत' और इसमें अभिनेता राजकुमार राव के अभिनय की सराहना की। उन्होंने कहा कि "मैंने फिल्म श्रीकांत को देखा और मुझे वह बहुत पसंद आया। मुझे लगता है कि राजकुमार ने फिल्म में बहुत अच्छा काम किया है।

फिल्म 'मुंज्या' को लेकर अरशद के बोल- अरशद ने शारवरी वाघ और नवोदित अभय वर्मा अभिनीत हॉरर कॉमेडी 'मुंज्या' की प्रशंसा की। "मैंने 'मुंज्या' के बारे में बहुत अच्छी बातें सुनी हैं। यह एक नए लड़के और एक शरवारी के साथ एक लघु कॉमेडी हॉरर फिल्म है।" अरशद ने कहा कि "मैं भी 'किल' देखना चाहता हूं। इंडस्ट्री को अलग-अलग कंटेंट के साथ प्रयोग करना चाहिए। क्योंकि साउथ उद्योग भी अपनी फिल्मों और सामग्री के साथ प्रयोग कर रहा है।"